

डोनाल्ड ट्रंप के लिए अलार्मिंग हैं इजराइल चुनाव के नतीजे!

इजराइल की 120 सदस्यीय संसद (नेसेट) में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दक्षिणपंथी गठबंधन का बहुमत के जादुई आंकड़े से पिछड़ना क्या संकेत देता है? क्या ये चुनावी नतीजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी खतरों की घंटी हैं? और क्या दुनिया धीरे-धीरे अमेरिकी वर्चस्व से मुक्त होकर बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

इजराइल के चुनावी रूझान इन सवालों पर विचार करने का अवसर देते हैं।

अभी तक के उपलब्ध रूझानों के मुताबिक, नेतन्याहू के गठबंधन को 53 और उनके विरोधी खेमे को 48 सीटें मिलने का अनुमान है। अरब पार्टियों के खते में 19 सीटें जाती दिख रही हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का बहुमत जरूरी है। यानी नेतन्याहू का गठबंधन सबसे आगे होने के बावजूद बहुमत से दूर है। फिलहाल सत्ता का अंतिम गणित

घरेलू जनमत की भूमिका निर्णायक

मध्यपूर्व में सऊदी अरब सहित अनेक देशों के लिए भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या अमेरिका हर परिस्थिति में उनकी सुरक्षा की गारंटी दे सकता है? अमेरिका की सैन्य ताकत बड़ी है, लेकिन बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों में कोई भी देश अपनी सुरक्षा और विदेश नीति को केवल बाहरी शक्ति के भरोसे नहीं छोड़ सकता। इन घटनाक्रमों को एक साथ देखने पर स्पष्ट होता है कि वैश्विक राजनीति में राष्ट्रीय हितों और घरेलू जनमत की भूमिका निर्णायक बनी हुई है। दुनिया के देश अपनी परिस्थितियों के अनुसार फैसले लेते हैं। वे हमेशा किसी शक्तिशाली राष्ट्र या उसके राष्ट्रपति की इच्छा के अनुरूप चले, यह जरूरी नहीं। लोकतंत्र की खूबसूरती भी यही है। जनता किसी नेता को सत्ता सौंप सकती है, लेकिन उसके फैसलों से असहमत होने पर उसे राजनीतिक चुनौती भी दे सकती है। राष्ट्रवाद, सैन्य शक्ति और आक्रामक बयानबाजी के सहारे कुछ समय तक जनसमर्थन जुटाया जा सकता है, लेकिन इन्हीं के दम पर जनता का विश्वास हमेशा बनाए नहीं रखा जा सकता।

गठबंधन की संभावनाओं पर निर्भर करेगा। हमस के हमले के बाद गाजा में फिलिस्तीनियों के विरुद्ध भीषण सैन्य कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय आलोचना झेल रहे नेतन्याहू के लिए यह स्थिति राजनीतिक चुनौती है। यदि उन्हें सत्ता में बने रहने के लिए अरब समर्थित पार्टियों की मदद की जरूरत पड़ती है, तो यह उनकी राजनीति के लिए विडंबनापूर्ण स्थिति होगी। हालांकि, उनके विरोधी खेमे के सामने भी अरब पार्टियों के समर्थन के बिना बहुमत जुटाने की चुनौती है।

नेतन्याहू के चुनावी समीकरणों का असर ट्रंप की राजनीति पर कितना पड़ता है, यह देखना दिलचस्प होगा। ट्रंप उनके प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समर्थकों में शामिल हैं। वे इजराइल में नेतन्याहू की राजनीतिक स्थिति को अपनी कूटनीतिक सफलता के रूप में पेश कर सकते हैं, लेकिन चुनावी आंकड़े फिलहाल किसी भी नेता के लिए निर्विवाद जनसमर्थन का प्रमाण नहीं हैं। तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव ट्रंप के लिए सबसे बड़ी परीक्षा हैं। प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों के लिए मतदान होगा। यदि रिपब्लिकन पार्टी किसी सदन में अपना बहुमत गंवा देती है, तो राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के अगले दो साल कठिन हो सकते हैं। राष्ट्रपति पद पर उनका बने रहना अलग बात है, लेकिन विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना, बजट संबंधी फैसलों पर सहमति जुटाना और अपनी नीतियों को लागू करना अधिक मुश्किल हो सकता है।

जनता के विश्वास को बनाए रखने की चुनौती: अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी को अक्सर नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए ट्रंप के सामने सवाल केवल सीटें बचाने का नहीं, बल्कि अपने नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास को बनाए रखने का भी है। इजराइल के चुनावी नतीजे अमेरिकी मतदाताओं के रूझान का प्रमाण नहीं हैं, लेकिन वे यह याद जरूर दिलाते हैं कि राजनीतिक समर्थन स्थायी नहीं होता। वैश्विक स्तर पर भी अमेरिकी प्रभाव की सीमाएं दिखाई देती हैं। नाटो सहयोगियों के साथ ट्रंप के मतभेद, ईरान का अमेरिकी दबाव के सामने झुकने से इनकार और रूस की स्वतंत्र रणनीति बताते

हैं कि सैन्य और आर्थिक शक्ति होने के बावजूद किसी देश के लिए दूसरे राष्ट्रों की नीतियां पूरी तरह नियंत्रित करना आसान नहीं है। चीन अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है, जबकि भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने पर जोर देता रहा है।

लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत जनता का विश्वास है, न कि किसी नेता का अहंकार। यही कसौटी नेतन्याहू पर भी लागू होती है और ट्रंप पर भी। इजराइल के चुनावी समीकरण और अमेरिका के मध्यावधि चुनाव एक जैसे घटनाक्रम नहीं हैं, लेकिन दोनों से निकलने वाला राजनीतिक सबक समान है। सत्ता में होना और जनसमर्थन पर स्थायी अधिकार होना दो अलग-अलग बातें हैं। ट्रंप हों या नेतन्याहू, किसी के लिए भी यह मान लेना उचित नहीं कि सत्ता और लोकप्रियता हमेशा उनके साथ बनी रहेंगी। बदलती विश्व-व्यवस्था में नेतृत्व की वास्तविक परीक्षा इस बात से होगी कि वह जनता की अपेक्षाओं, राष्ट्रीय हितों और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बीच कितना संतुलन बना पाता है।

यही लोकतंत्र का संदेश है और बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक उम्मीद भी।

न्यूज टिंडो

यूपी: कुंडा विधायक राजा भैया को जान से मारने की धमकी

भदोही। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के अध्यक्ष और कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी और आपत्तिजनक संदेश मिले हैं। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। इस मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह घटना पिछले एक सप्ताह के भीतर हुई है। धमकियां कथित तौर पर तीन अलग-अलग इंस्टाग्राम और फेसबुक खातों के माध्यम से जारी की गई थीं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, पति-पत्नी और बेटी की मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज सुबह गांव धुनेला के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रही बस में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बस के पिछले हिस्से में फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में कार सवार दंपती और उनकी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहुल बोले-छात्र संगठन 1 नवंबर के मार्च में आएँ, लाठीचार्ज से न घबराएं नई दिल्ली। राहुल गांधी ने आज छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर को होने वाले दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें। घबराये की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हो रही है। इसमें प्रियंका गांधी वाड्ढा समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे हैं। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में पब्लिक महाभियोग प्रोग्राम करेगा। दूसरी जगह पर परमिशन नहीं मिलने के बाद अब यह कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे 10 राजाजी मार्ग पर होगा।

आज का कार्टून

सरकारी कर्मचारियों के लिए बढ़ाया DA

आम लोगों के लिए क्या?

खरीफ की फसल पर संकट... मंडी में रखा हजारों विंटल मक्का भीगा

तूफान के असर से सूबे में झमाझम भोपाल में भी बादल और बूदाबांदी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अर्णब साइक्लोन का असर तटीय क्षेत्रों में नहीं बल्कि मध्य व उत्तरी भारत पर भी पड़ा है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों से टकराने के बाद तूफानी हवाएं छत्तीसगढ़ से होते हुए मध्य प्रदेश तक पहुंच रही हैं। इसी के साथ आ रही नमी से प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश बारिश हुई।

शहडोल के साथ मंडला, डिंडोरी, पांडुरा और सिंगरीली में बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल रही हैं। पांडुरा की मंडी में खुले में रखा हजारों विंटल मक्का भीग जाने की खबर है। मौसम विभाग ने आज इन जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। राजधानी भोपाल में भी कई इलाकों में सुबह से ही बूदाबांदी हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर में भी बारिश, बादल, गरज-चमक और आंधी का असर रहेगा।

मौसम बदलने से रात में ठंड का असर भी बढ़ा है। बीती रात शाजापुर के गिरवर में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रिक्तियां किया गया। पंचमढ़ी में 15.2 डिग्री, धार में 15.4 डिग्री, आगर-मालवा में 15.9 डिग्री और छतरपुर के नौगांव में 16 डिग्री सेल्सियस रहा। शहडोल में हुई इस बेमौसम बरसात ने किसानों की भी चिंता बढ़ा दी है। इन दिनों खरीफ सीजन की

कल भी हल्की बारिश के आसार

पांडुरा मंडी में रखा मक्का बारिश से भीगा। दूसरे चित्र में भोपाल के आसमान में बादलों का डेरा।

कमजोर पड़ा अर्णब, नए बवंडर की आहट ने बढ़ाई चिंता

विशाखापतनम/भुवनेश्वर। अर्णब तूफान के कारण आंध्र प्रदेश और ओडिशा में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। कई इलाकों में पेड़ गिर गए और पुल-सड़कें टूट गईं। हालांकि अब यह चक्रवात कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है। आज शाम तक इसके कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। लेकिन, दक्षिण अंडमान सागर में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले 48 घंटों में यह नया सिस्टम और मजबूत हो सकता है। एक तूफान की विदाई के बीच दूसरे मौसमी सिस्टम की दस्तक ने बंगाल की खाड़ी में हलचल बढ़ा दी है। ऊपरी वायु चक्रवाती प्रभाव से बने इस क्षेत्र के अगले 24 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके बाद अगले 24 घंटों के दौरान इसके और मजबूत होकर दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और आसपास के क्षेत्र में सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। लगातार दो प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

फसल किसानों के खेतों पर पक कर तैयार है। कुछ किसान उड़द, तिल, धान की फसलों की कटाई भी कर रहे हैं। ऐसे में किसानों को खड़ी फसल खराब होने की चिंता है।

चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल भगदड़ मामला

पुलिस का दावा- बारिश से बचने महिलाओं ने गेट पर लगाई भीड़, इसलिए हुआ हादसा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता पुलिस ने कहा है कि चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में बारिश के दौरान कपड़े और मेकअप बचाने के लिए महिलाएं बाहर निकलने वाले गेट पर जमा हो गई थीं। भीड़ बढ़ने से धक्का-मुक्की हुई और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे, जिससे भगदड़ मची। यह घटना 17 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे हुई थी। भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें दो पर पंडाल का एक हिस्सा गिरने की घोषणा कर अफरा-तफरी फैलाने का आरोप है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पंडाल में महिला वॉलंटियर और पुलिसकर्मी पर्याप्त संख्या में तैनात थे या नहीं।

इजराइल चुनाव... नेतन्याहू और आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विपक्षी नेता गादी आइजनकोट, दोनों बहुमत से दूर रह गए हैं। 92% वोटों की गिनती के बाद नेतन्याहू का गठबंधन 53 सीटों और आइजनकोट का विपक्षी गठबंधन 48 सीटों पर आगे है। वहीं, अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिलती दिख रही हैं। सरकार बनाने के लिए संसद की 120 सीटों में से कम से कम 61 सीटें जरूरी हैं। ऐसे में अरब पार्टियां किंगमेकर बन सकती हैं। दूसरी ओर आज सुबह डबल-

एनवेलप बैलेट की गिनती शुरू हो गई है। इन 5 लाख वोटों से संसद की सीटों का अंतिम बंटवारा बदल सकता है। डबल-एनवेलप बैलेट का इस्तेमाल उन लोगों के वोटों के लिए होता है जिन्होंने अपने तय मतदान केन्द्र से अलग जगह पर वोट डाला। इनमें सैनिक, राजनयिक, पुलिसकर्मी और विस्थापित लोग शामिल हैं।

मेट्रो एंकर **बीजेपी नेता नाजिया का निशाना, बोलीं- भारत के 120 करोड़ हिंदुओं ने उन्हें सब कुछ दिया**

पाकिस्तानी से शादी... अब सानिया मिर्जा ने दी मस्जिद के लिए जमीन

नई दिल्ली/ हैदराबाद , एजेंसी

भारत की पूर्व स्टा रटेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा इन दिनों चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने हैदराबाद में मस्जिद के लिए अपनी जमीन डोनेट की है। मूल रूप से यह जमीन टेनिस सेंटर के लिए थी। 39 साल की सानिया महिला डबल्स में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रह चुकी हैं। 20 साल लंबे टेनिस करियर में उन्होंने 6 ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीते। फरवरी 2023 में उन्होंने टेनिस को अलविदा कह दिया था।

अब मस्जिद के लिए जमीन डोनेट करने की वजह से बीजेपी की नेता नाजिया इलाही खान ने सानिया मिर्जा पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर वीडियो शेयर किया। इसमें नाजिया ने कहा, 'कहावत है कि इज्जत देने से इज्जत मिलती है। सानिया मिर्जा को इस देश मेजॉरिटी, 120 करोड़ से भी अधिकतर हिंदुओं ने बहुत इज्जत



दी। पर जब शादी करने की बात आई, तो सानिया मिर्जा ने पाकिस्तान को चुना। जब जमीन डोनेट करने की बात आई तो सानिया मिर्जा ने मस्जिद को दी।' उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में शायद कहावतों पर बहुत ज्यादा यकीन नहीं करना

चाहिए। हमारे देश में मैंने देखा है कि जितने भी उम्माह और फी सबीलिल्लाह वाले हैं, वो भारत से कम होते हैं, नाम भी भारत से बनाते हैं। आलीशान बंगला, गाड़ियां, दौलत, बड़ी-बड़ी प्रॉपर्टीज, नाम-शोहरत, नेम, फेम, मनी सब कुछ भारत से इनको मिलता है। वो मदरसे वालों से नहीं मिलता है,

120 करोड़ अधिकतर हिंदुओं से मिलता है। जब चुनने की बात आती है, तो ये उन्हीं कट्टरपंथियों को चुनते हैं। नाजिया इलाही ने आगे अपनी बात करते हुए कहा-देखते हैं, शायद सानिया मिर्जा की झोली से मोदिर, गुरुकुल के लिए कोई जमीन तो जरूर मिलेगी।

शादी के 13 साल बाद शोएब से तलाक

सानिया मिर्जा ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक से 2010 में शादी की थी। 2018 में उनके बेटे इजहान मिर्जा मलिक का जन्म हुआ था लेकिन 2023 में दोनों का तलाक हो गया। उसी महीने शोएब ने पाकिस्तानी टीवी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी कर ली थी। यह मलिक की तीसरी शादी थी। उल्लेखनीय है की सानिया ने 2009 में पहली बार ग्रैंड स्लैम का खिताब जीता था। महेश भूपति के साथ मिलकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्सड डबल्स को अपने नाम किया था।

करवा चौथ..हाथों में रचाई मेहंदी ‘सौभाग्य’ का 16 शृंगार

भोपाल। पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ सुहागिन महिलाएं आज करवा चौथ का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मना रही हैं। महिलाएं सोलह शृंगार कर निर्जला व्रत रखा। करवा माता, भगवान शिव-पार्वती तथा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस बार रोहिणी-मृगशिरा नक्षत्र और शिवयोग का शुभ संयोग पर्व की धार्मिक महत्ता को विशेष बना रहा है।

राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में सामूहिक पूजन, कथा-पाठ और धार्मिक कार्यक्रम चल रहे हैं। बाजारों में भी पर्व को लेकर रौनक दिखाई दे रही है। महिलाओं ने कल ही व्रत की तैयारियों के लिए साड़ियां, आभूषण, चूड़ियां, मेहंदी और पूजन सामग्री को खरीदारी कर ली। आज भी करवा चौथ

पर 10 नंबर मार्केट में सजी दुकानों पर महिलाओं ने करवा व छलनी की जमकर खरीदारी की। आज करवा चौथ पर दिनभर व्रत रखकर रात 8.24 बजे चंद्रमा के दर्शन और अर्घ्य देने के बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोलेंगी।

रात 8:24 बजे चंद्रोदय

ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल के आचार्य पं. विनोद गौतम के अनुसार, करवा चौथ पर रोहिणी-मृगशिरा नक्षत्र और शिवयोग का संयोग है। शुक्र का उदय बुधवार को हुआ और व्रत के दिन भद्रा का दोष नहीं है। चंद्रोदय रात 8:24 बजे होगा। महिलाएं चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देंगी और पति की सुख-समृद्धि व दीर्घायु की कामना के साथ व्रत का पारण करेंगी।



मेहंदी और शृंगार के सामान की बढ़ी मांग

न्यू मार्केट सहित प्रमुख बाजारों में मिट्टी के करवे, पूजन सामग्री, साड़ियों और शृंगार के सामान की खरीदारी के लिए महिलाएं पहुंच रही हैं। ब्यूटी पार्लरों में मेहंदी लगवाने भीड़ दिखाई दे रही है।



करुणा धाम आश्रम में पौधों का वितरण

करुणाधाम आश्रम में सहज शिक्षा समाधान समिति व भोपाल नागरिक विकास समिति ने 101 जोड़ों के सामूहिक पूजन का आयोजन किया है

न्यूज विंडो

एसबीआई के डिप्टी मैनेजर के घर चोरी, डीवीआर भी उड़ा ले गए

भोपाल। कोलार रोड के दानिश कुंज में चोरों ने एसबीआई के एक डिप्टी मैनेजर के सुने मकान में संध लगा दी। बदमाश घर से नकदी और सोने-चांदी के जेवर समेटने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और हार्ड डिस्क भी निकालकर ले गए। दानिशकुंज निवासी नवनीत खरे (44) एसबीआई में डिप्टी मैनेजर हैं। 25 अक्टूबर को वे परिवार के साथ कार्यक्रम में शामिल होने छतरपुर गए थे। लौटते तो कमरे का सामान अस्त-व्यस्त मिला। चोर घर से करीब 15 से 20 हजार रुपए नकद, सोने-चांदी के जेवर, डीवीआर, हार्डडिस्क ले गए।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट नहीं मिला

भोपाल। अयोध्या बायपास थाना क्षेत्र के सेमरा में 24 वर्षीय नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने महिला का मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, श्रुति पति मिलिंद अहिंवार के साथ सेमरा में रहती थी। मंगलवार शाम करीब सात बजे उन्होंने घर में फांसी लगा ली। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। महिला की शादी हाल ही में हुई थी, इसलिए जांच एसीपी स्तर के अधिकारी करेंगे।

शहर में सड़कों पर घूम रहे 14 पशुओं को पकड़ा, 9 को आसरा भेजा

भोपाल। शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले घूम रहे पशुओं के खिलाफ नगर निगम ने अभियान की शुरुआत की है। इस कड़ी में नगर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा ने अलग-अलग इलाकों से 14 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा गया है। वहीं, बीमार और घायल 9 पशुओं को आसरा पशु अस्पताल पहुंचाया गया। हॉक गैंग ने भी सड़कों पर घूम रहे 15 पशुओं को हटाया। यह कार्रवाई बैरागढ़, छानपंत, भानपुर, अयोध्या बायपास, नीलबड़, आईटीआई, अन्ना नगर, बैरियर कलीम, गोविंदपुरा आदि जगह हुई। बता दें सड़क पर आवारा पशुओं से आए दिन हादसे हो रहे हैं। लोग लगातार इन पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। नगर निगम अब पशुओं के मालिकों पर भी कार्रवाई करेगा। मवेशी मालिकों की पहचान की जा रही है।

दूसरे राज्यों के आवेदकों को लगानी पड़ रही दौड़

आरटीओ में वाहनों के ट्रांसफर पर अघोषित ब्रेक, दो महीने से अटकीं सैकड़ों फाइलें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में करीब 2 महीने से वाहनों के ट्रांसफर से जुड़ी सैकड़ों फाइल अटकी हुई हैं। जिम्मेदारों का तर्क है कि तकनीकी समस्या के कारण फाइलें और उनसे जुड़े दस्तावेज पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसके कारण वाहनों का ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। इसके बाद भी अब तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकल पाया है। इससे आरटीओ दफ्तर में ट्रांसफर के लिए पहुंच रहे आवेदकों को बैराग वापस लौटना पड़ रहा है। खास यह भी है कि, विभाग के अफसर भी चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि, करीब दो माह से आरटीओ में वहां ट्रांसफरों के मामले में अघोषित रोक लगी हुई है।



ऐसी समस्याएं

वाहन ट्रांसफर के आवेदनों में कई दूसरे राज्यों व शहरों के हैं। विभाग का कहना है, कई फाइलों में दस्तावेज पूरे ना होने या दस्तावेज अपडेट न होने से पोर्टल पर मिसमेच हो रहे हैं। सबसे ज्यादा समस्या आधार अपडेशन न होने से हो रही है।

आवेदक लगा रहे दफ्तर के चक्कर

आरटीओ में वाहन ट्रांसफर के लंबित मामलों के कारण आवेदकों और परिवहन सलाहकारों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि अगर पोर्टल में तकनीक स्तर पर कोई समस्या है तो इतने दिनों से उसका समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है।

ज्यादातर आवेदकों की शिकायत है कि जब भी आरटीओ जाते हैं, तो कर्मचारी उन्हें तकनीकी समस्या की बात कहकर वापस लौटा देते हैं और इस वजह से कई आवेदकों को बार-बार आरटीओ दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

मेट्रो एंकर

भोपाल मंडल ने रेल यात्रियों को किया अलर्ट यात्री..कृपया बिना ईयरफोन के ट्रेन में गाना न सुनें, वर्ना होगी कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ट्रेन में सफर के दौरान मोबाइल पर तेज आवाज में गाने सुनना, वीडियो और रील चलाना या स्पीकर पर ऑडियो बजाना सहयात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। यात्रियों की शांति और सुविधा में बाधा डालने वाले व्यवहार पर रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई का प्रवधान है। रेल यात्रा के दौरान कई बार यात्री मोबाइल पर तेज आवाज में गाने, वीडियो और रील चलाते हैं। इससे दूसरे यात्रियों को परेशानी होती है। खासकर रात के समय और एसी कोच में शोर से यात्रियों की नींद और आराम में खलल पड़ता है। ऐसी स्थिति में यात्री टिकट चेकिंग स्टाफ या रेलवे सुखाय बल से शिकायत कर सकते हैं। रेलवे हेल्पलाइन नंबर

नियमों का दिया हवाला

भोपाल मंडल ने जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 145 में किए संशोधनों का हवाला देते हुए नियमों के पालन की अपील की है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सीरुभ कटारिया का कहना है, ट्रेन में इस तरह मोबाइल क इस्तेमाल न करें कि दूसरे यात्री को परेशानी हो।

139 पर भी संपर्क किया जा सकता है। रेलवे परिसर में शोर-शराबा करने और अन्य यात्रियों की सुविधा प्रभावित करने वाले व्यवहार पर रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 145 के तहत जुर्माना या दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है।

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अपना घर बनाने के लिए प्लॉट खरीदने की उम्मीद में गृह निर्माण सहकारी समिति को पूरी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को सालों तक न जमीन मिली और न जमा पैसे वापस हुए। अब इस मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने न्यू मित्र मंडल गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित को 8.81 लाख रुपए चुकाने का आदेश दिया है। इसमें 1.65 लाख रुपए की मूल जमा राशि पर 18 प्रतिशत दर से वार्षिक ब्याज और मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद व्यय की राशि भी शामिल है। आयोग ने 45 दिन में भुगतान और ऐसा न होने पर अतिरिक्त जुर्माने के आदेश दिए हैं।



1500 वर्गफीट के प्लॉट के लिए वर्षों चक्कर लगाते रहे

इंदगाह हिल्स निवासी उपभोक्ता अनिल ने का कहना है कि वर्ष 2021 में समिति के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि समिति का सदस्य होने के नाते उन्होंने 1500 वर्गफीट के प्लॉट के लिए कुल 1.65 लाख रुपए जमा किए थे। लंबे

रहें सावधान

किसी भी बिल्डर, डेवलपर और गृह निर्माण समिति से प्लॉट खरीदते समय सावधान रहें। हर दस्तावेज सुरक्षित रखें। प्लॉट न मिले तो आयोग जाएं।

समय के बाद प्लॉट का आवंटन भी किया गया। लेकिन प्लॉट नहीं दिए गए। बार-बार आग्रह करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। इतना ही नहीं, समिति से रुपए मांगे तो वह भी नहीं लौटाए। थक-हारकर आयोग जाना पड़ा।

आरोपी सर्वेंट क्वाटर में रहने वाले परिवार का ही

विधायक के बंगले में फिर चोरी, इस बार विरनोई ने ही आरोपी को पकड़ा



पूर्व मंत्री व विधायक अजय विरनोई के घर तीन माह पहले चोरी हुई थी। तब चोरों ने अलमारी के लॉकर भी तोड़कर भी साफ कर दिए थे। *फाइल फोटो।*

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के वीआईपी एरिया चार इमली में चार माह से हो रही संधमारी में बड़ा खुलासा हुआ है। पहले एक बड़े अधिकारी के घर चोरों ने संध लगाई। फिर स्पेशल डीजी अजय शर्मा के बंगले के सामने पूर्व मंत्री और विधायक अजय विरनोई के सरकारी बंगले को निशाना बनाया। इस मामले में पुलिस के हाथ तो खाली ही रहे। अब एक बार फिर आज सुबह चोर पूर्व मंत्री विरनोई के यहां चोरी करने पहुंचा। खास यह रहा कि आरोपी को इस बार विरनोईही पकड़ा लिया। बताते हैं, आरोपी पूर्व मंत्री के बंगले के सर्वेंट क्वाटर में रहने वाले परिवार का बेटा है। वह क्या चोरी करने आया था, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। बता दें, पूर्व मंत्री विरनोई के बंगले में तीन माह में यह दूसरी चोरी है।

सवालों में पुलिस, वीआईपी एरिया भी सुरक्षित नहीं

भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बेहद संवेदनशील और वीआईपी इलाके में चोर बेखोफ वारदात करते रहे, लेकिन पुलिस आरोपियों को ढूंढ़ ही नहीं सकी। चार इमली में कई मंत्री और अफसरों के बंगले हैं, जब यही क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो बाकी शहर में सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। बताते हैं, अब विधायक विरनोई ने जिस लड़के को पकड़ा है, उससे पुलिस पूछताछ करेगी। पहले हुई चोरी के बारे में भी सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। यह भी पता किया जाएगा कि सर्वेंट क्वाटर में रहने वाले परिवार की क्या विधायक से कोई रंजिश थी?

1 जनवरी से लागू होंगे नए ट्रेन नंबर

भोपाल मंडल की तीन जोड़ी सुपर फास्ट ट्रेनों का बदल जाएगा दर्जा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रेलवे द्वारा भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली तीन जोड़ी सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों को गैर-सुपरफास्ट श्रेणी में बदलने का निर्णय लिया गया है। इसी के साथ इन ट्रेनों के नंबर भी बदल जाएंगे। नए ट्रेन नंबर 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे। रेलवे के इस निर्णय के तहत महानगरी, तुलसी और लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस के पुराने नंबरों की जगह नए नंबर लागू किए जाएंगे।

रेलवे के अनुसार, इन तीनों जोड़ी ट्रेनों के नए नंबर 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। यात्री टिकट, आरक्षण और ट्रेन की जानकारी में नए नंबरों का ध्यान रखें।

टिकट बनाते समय ध्यान रखें, इन ट्रेनों के नंबर बदलेंगे

- 22177/22178 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बनारस महानगरी सुपरफास्ट का नया नंबर होगा 11093/11094
- 22129/22130 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट तुलसी सुपरफास्ट नया नंबर 11065/11066 हो जाएगा।
- 12167/12168 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस सुपरफास्ट का नया नंबर 11067/11168 हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किसानों से किया संवाद, प्राकृतिक खेती, पशुपालन और मत्स्यपालन को बढ़ावा देने पर जोर कटनी में खेती को मिलेगा नया विस्तार, काजू प्रोसेसिंग से चिया सीड तक बढ़ेंगी संभावनाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को नए अवसरों से जोड़ने के लिए सरकार सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के साथ आधुनिक खेती और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है। मालवा-निमाड़ में नर्मदा घाटी की सिंचाई परियोजनाओं से कृषि क्षेत्र का विस्तार होने के बाद अब सतना और कटनी क्षेत्र में भी ऐसी संभावनाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्लीमनाबाद सिंचाई परियोजना से क्षेत्र के किसानों के लिए नई राह खुली है। कटनी को खनिज संपदा के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यहां खेती और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी नई

संभावनाएं सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कटनी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कटनी के किसान पारंपरिक खेती के साथ नए प्रयोग कर रहे हैं। चिया सीड, अश्वगंधा और काजू जैसे उत्पादों की खेती तथा प्रसंस्करण की दिशा में हो रहे प्रयास उत्साहजनक हैं। इससे किसानों को कृषि के नए विकल्प मिल सकते हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी विकसित हो सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि सिंचाई सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे और क्षेत्र की कृषि क्षमता का बेहतर उपयोग हो।



प्राकृतिक खेती के साथ पशुपालन को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती को बढ़ावा दे रही हैं। इसके साथ पशुपालन और मत्स्यपालन को भी आर्थिक समृद्धि के नए माध्यम के रूप में विकसित किया जाएगा। दीपावली के दौरान गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रदेश के वृंदावन गांवों में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक गायों के पालकों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार

25 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री ने कटनी के उन्नतशील किसानों से संवाद कर उनके नवाचारों और खेती के अनुभवों की जानकारी ली। बोहरीबंद के किसान गोविंद पटेल ने बताया कि हेमपी सीडर और सुपर सीडर जैसे कृषि यंत्रों के माध्यम से नरवाई प्रबंधन किया जा रहा है। इन यंत्रों की खरीद पर सरकार की ओर से अनुदान भी दिया जा रहा है। किसान ने बताया कि पात्रता और योजना के प्रावधानों के अनुसार, लगभग 1.90 लाख रुपये तक के नए यंत्रों पर 90 हजार रुपये तक की सब्सिडी मिल सकती है।

दो दिनों में चार विकासखंडों के 29 गांवों तक पहुंचे सरकार के अफसर

नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब विकास का अभियान, बालाघाट के गांवों की बदलेगी तस्वीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नक्सलवाद से मुक्ति के बाद अब बालाघाट जिले के कभी नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन ने इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, रोजगार के अवसर बढ़ाने और शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। इसके तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद कर रहे हैं और उनकी जरूरतों के आधार पर विकास की कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं। लक्ष्य है कि जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलवाद बड़ी चुनौती था, वहां अब विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के नए अवसर स्थापित हों।

जिला प्रशासन ने चिन्हित 100 गांवों को चार क्लस्टर में विभाजित कर अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। अधिकारियों को आवंटित गांवों का 14 दिनों तक भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का आकलन करने, ग्रामीणों की समस्याएं समझने और आवश्यक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। 26 और 28 अक्टूबर को बैहुर, बिरसा, लांजी और किरनापुर विकासखंड के विभिन्न गांवों में अधिकारियों की टीमों ने पहुंचकर स्थानीय लोगों से चर्चा की। ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों के आधार पर प्राथमिकता वाले कार्य तय किए जा रहे हैं, ताकि विकास योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनाई जा सकें।



कलेक्टर सहित अधिकारियों ने संभाली कमान

26 अक्टूबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के नेतृत्व में अधिकारियों ने कटौपार, सतना, बरगुड़ और देवरबेली गांवों का दौरा किया। बैहुर एसडीएम अनिकेत शांडिल्य की टीम ने दड़कसा, बिलालकसा, सोनगुड्डा, लुद, हिर्री, भरी, सोनपुरी और बिठुरी सहित कई गांवों में ग्रामीणों से संवाद किया। इसी तरह किरनापुर क्षेत्र के सीतापार और

बोरवन में ग्रामीण यात्रिकी सेवा के अधिकारियों ने सुविधाओं की जानकारी जुटाई। जनजातीय कार्य विभाग की टीम ने छात्रावासों का निरीक्षण किया। पशुपालन, मत्स्यपालन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर विकास की संभावनाएं तलाशीं। 28 अक्टूबर को कलेक्टर आदित्य सिंह ने लांजी विकासखंड की

ग्राम पंचायत देवरबेली के अंतर्गत बरगुड़-सतना, केराडीह, सायर और सतूका गांवों का भ्रमण किया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने किरनापुर के छिंदीकुआ, बोरवन, सकरीटोला और सिरियाटोला में ग्रामीणों की जरूरतों की जानकारी ली। बिरसा और बैहुर विकासखंड के अन्य गांवों में भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

सड़क, पानी, बिजली और स्वास्थ्य पर रहेगा जोर

हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

अभियान में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, सिंचाई, बिजली, स्कूल भवन और आंगनबाड़ी जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं की स्थिति का आकलन कर आवश्यक सुधार के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। पात्र

गांवों में रोजगार के नए रास्ते खोलने की तैयारी

ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन जैसी गतिविधियों की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। स्थानीय परिस्थितियों और युवाओं की रुचि के अनुरूप स्वरोजगार के अवसर विकसित करने की योजना है। कलेक्टर ने अधिकारियों को 14 दिनों के भीतर गांवों का भ्रमण पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि इन 100 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो, युवाओं को रोजगार मिले और जनजातीय समुदाय सहित सभी पात्र ग्रामीणों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे। नक्सलवाद से प्रभावित रहे इन गांवों में अब विकास को नई पहचान देने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

मप्र राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने खोले पत्ते

हरदीप पुरी की उम्मीदवारी से प्रदेश के नेताओं की उम्मीदों को विराम, बढ़ा इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश की ए राज्यसभा सीट पर अपने अधिकृत उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया है। केंद्रीय नेतृत्व ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी को मैदान में उतारने का निर्णय किया है। राष्ट्रीय नेतृत्व का यह फैसला मध्यप्रदेश के करीब छह बड़े नेताओं की उम्मीदों पर भारी पड़ गया है। इन वरिष्ठ नेताओं को अब संसद के उच्च सदन में पहुंचने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के नाम की घोषणा से दिल्ली में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की उम्मीदें भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद से ही मध्यप्रदेश के कई प्रमुख नेताओं के राजनीतिक पुनर्वास की चर्चाएं जोर पकड़ रही थीं, लेकिन पार्टी के इस फैसले से उन सभी संभावनाओं पर विराम लग गया है। डॉ. एल मुरुगन ने बीते 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के साथ राज्यसभा सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद से ही मध्यप्रदेश की यह राज्यसभा सीट खाली थी। इस रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन आयोग ने 22 अक्टूबर को उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश में राज्यसभा की इस सीट के लिए 12 नवंबर को



भोपाल में कोर कमेटी की बैठक

राज्यसभा सीट पर निर्णय से पहले भोपाल में भाजपा की प्रदेश कोर कमेटी की एक अहम बैठक में पार्टी के प्रदेश प्रभारी बिल्व कुमार देव और सह प्रभारी रेखा वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। बैठक के दौरान सीट के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई थी। यद्यपि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश कोर कमेटी को पहले ही संकेत दे दिए थे कि राज्यसभा के लिए किसी अन्य राज्य के नेता को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

मतदान प्रस्तावत है। मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसी दिन यानी 12 नवंबर की शाम 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू की जाएगी तथा नतीजों का भी एलान प्रस्तावित है। हालांकि लगता नहीं है कि चुनाव की नौबत आएगी। पुरी का निर्विरोध चुनाव जाना तय है।

वरिष्ठ दावेदारों का नहीं हो सका चयन

कोर कमेटी की बैठक में राज्य के पांच नेताओं के नामों का फैल तैयार करके केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया था। फैलन में प्रदेश के तीन आदिवासी, एक दलित और एक सगर्ग नेता का नाम शामिल किया गया था। इस दावेदारी में प्रदेश के पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया और पूर्व मंत्री रंजना बघेल के नाम शामिल थे। इनके अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी और सिंगरौली जिले की चितरौली विधानसभा सीट से पूर्व विधायक अमर सिंह का नाम भी इस सूची में भेजा गया था। अब इन सभी की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं।

पेंशनरों की महंगाई राहत पर बड़ी मांग

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, सीएस और वित्त विभाग को लिखा पत्र

जनवरी से 2% और जुलाई से 3% वृद्धि का भुगतान जल्द करने की अपील

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पेंशनरों की महंगाई राहत का भुगतान जल्द किए जाने की मांग तेज हो गई है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने राज्य सरकार से 1 जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत और 1 जुलाई 2026 से देय 3 प्रतिशत महंगाई राहत के भुगतान के आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की है। इस संबंध में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव

कुल 5 प्रतिशत महंगाई राहत देने की मांग

एसोसिएशन ने केंद्र सरकार के 28 अक्टूबर के निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि पुनरीक्षित दरों के अनुरूप पेंशनरों को कुल 5 प्रतिशत महंगाई राहत का लाभ देने के लिए जल्द आदेश जारी किए जाएं। संगठन का कहना है कि जनवरी और जुलाई 2026 से देय राहत का भुगतान सुनिश्चित करने के साथ सभी पात्र पेंशनरों को बकाया राशि भी दी जानी चाहिए।

और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर स्थायी प्रशासनिक व्यवस्था बनाने की अपील की है।

मेट्रो एंकर

जवाबदेही तय करने महत्वपूर्ण कदम, थानों से पुलिस मुख्यालय तक बदलेगी कार्यशैली,

मध्यप्रदेश की 17 पुलिस इकाइयों को आईएसओ सर्टिफिकेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पुलिस व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। प्रदेश के भोपाल, सिवनी, छिंदवाड़ा और अलीराजपुर जिलों की विभिन्न पुलिस इकाइयों को अक्टूबर माह में दृष्ट 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के तहत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के जरिए पुलिस थानों और कार्यालयों में बेहतर व्यवस्थाओं, अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण, आधारभूत सुविधाओं में सुधार और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को मान्यता मिली है। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना बागसेवनिया, अशोका गार्डन, कोतार और खजूरी के साथ एंड्रिशनल डीसीपी कार्यालय जोन-3 को ISO



प्रमाणन मिला है। इन इकाइयों में थानों के जीर्णोद्धार, पुराने अभिलेखों को व्यवस्थित करने, पुलिसकर्मियों और आमजन के लिए बैठने की बेहतर व्यवस्था तथा परिसर के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे पहले भोपाल के थाना मिसरोद, रातीबड़ और

महिला थाना को भी ISO प्रमाणन मिल चुका है। इस पहल का उद्देश्य पुलिस कार्यालयों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली विकसित करना और आमजन को बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

सिवनी में कोतवाली और

छिंदवाड़ा जिले में थाना मोहखंड के अंतर्गत आने वाली उमरानाला पुलिस चौकी को ISO प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह जिले की पहली और एकमात्र दृष्ट प्रमाणित पुलिस चौकी है। इस उपलब्धि से स्थानीय स्तर पर नागरिकों को सुलभ, बेहतर और गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को

नई पहचान मिली है। अलीराजपुर जिले में थाना उदयगढ़, आजादनगर, चांदपुर और नानपुर के अलावा रक्षित केंद्र तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय को भी ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ है। इन इकाइयों में कार्यप्रणाली को व्यवस्थित करने, अभिलेखों के उचित

रखरखाव, सुविधाओं में सुधार और पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है। ISO 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र हासिल करना नहीं, बल्कि संस्थानों की कार्यप्रणाली में मानकीकरण, जवाबदेही और निरंतर सुधार को बढ़ावा देना है।

उमरानाला चौकी भी हुई पुरस्कृत

खरखाव, सुविधाओं में सुधार और पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है। ISO 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र हासिल करना नहीं, बल्कि संस्थानों की कार्यप्रणाली में मानकीकरण, जवाबदेही और निरंतर सुधार को बढ़ावा देना है।

महिला थाना भी प्रमाणित- सिवनी जिले के थाना कोतवाली और महिला थाना को ISO 9001:2015 प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। इन इकाइयों में अपराधों के प्रबंधन एवं नियंत्रण, कानून, व्यवस्था बनाए रखने, जनशान्ति, मालखाने की सुव्यवस्थित व्यवस्था और

जनहितकारी पुलिस गतिविधियों के संचालन को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। प्रमाणन के सिलसिले में वरिष्ठ अधिकारियों ने कोतवाली का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण और उपलब्ध संसाधनों का जायजा भी लिया।



हेमंत खंडेलवाल ने ली तैयारी बैठक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक हेमंत खंडेलवाल ने बुधवार को भोपाल में रैली की तैयारियों को लेकर बैठक की। इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री चैतन्य काश्यप, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व विधायक धुवनारायण सिंह और भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यादव सहित अन्य नेता मौजूद रहे। बैठक में रैली की तैयारियों और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। पार्टी का जोर संगठन के अलग-अलग स्तरों पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और रैली में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी सुनिश्चित करने पर है।

जानकारी के अनुसार रैलियों की तैयारियों को लेकर पार्टी स्तर पर चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री निवास पर हुई भाजपा कोर कमेटी की बैठक में भी अभियान को लेकर विचार-विमर्श हुआ। पार्टी ने नेतृत्व ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से जुटने के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दूरस्थ क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराने दिए निर्देश

गर्भवती महिलाओं की देखभाल में कोताही बर्दाश्त नहीं, 2 लाख हाई रिस्क मामलों पर सरकार नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने निगरानी और जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दिया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित निगरानी और अस्पताल में भर्ती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा में सामने आया कि चिन्हित उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में से लगभग 30 प्रतिशत ही पर्याप्त समय पहले स्वास्थ्य संस्थानों में भर्ती हो पा रही हैं। इस



स्थिति में सुधार के लिए उन्होंने विशेष कार्ययोजना बनाकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और मैदानी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय करने को कहा। समीक्षा बैठक में बताया गया कि अनमोल पोर्टल पर लगभग 6.2 लाख गर्भवती महिलाओं का विवरण

दर्ज है। इनमें करीब 2 लाख महिलाओं को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की श्रेणी में चिन्हित किया गया है। इन महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और समय पर उपचार सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है।

तकनीक जब आगे बढ़ती है, तो दुनिया बदलती है, लेकिन इस बदलाव की कीमत कौन चुकाता है, यह सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी दुनिया की अग्रणी तकनीकी कंपनी की ओर से करीब 60 हजार कर्मचारियों को स्वेच्छिक रूप से नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया जाना इसी सवाल को सामने लाता है। यह केवल खर्च घटाने का मामला नहीं, बल्कि उस बदलती आर्थिक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच रोजगार की सुरक्षा नए सिरे से परिभाषित हो रही है। स्वेच्छिक विदाई को अनिवार्य छंटनी

नहीं कहा जा सकता। फिर भी, जब इतने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों के सामने नौकरी छोड़ने का विकल्प रखा जाए, तो उसके निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। माइक्रोसॉफ्ट पहले भी छंटनी और स्वेच्छिक विदाई की पेशकश कर चुकी है। इससे स्पष्ट है कि तकनीकी कंपनियों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। अब प्रतिस्पर्धा केवल बेहतर तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि कम संसाधनों में अधिक काम करने और उत्पादकता बढ़ाने की भी है। इस दौड़ में कंपनियां डाटा केंद्रों, अत्याधुनिक चिप और कण्ट्रिंग क्षमता पर

रोजगार की चिंता

अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं। लेकिन तकनीक के इस चमकते संसार का दूसरा पहलू भी है। मशीनों की क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश तेज हो रहा है, जबकि कर्मचारियों पर होने वाले खर्च में कटौती का दबाव बढ़ रहा है। सवाल यह है कि उत्पादकता बढ़ाने का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रहेगा, या कर्मचारियों के जीवन में भी सुरक्षा और समृद्धि का रास्ता खोलेगा? भारत के लिए यह चिंता विशेष महत्व रखती है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने देश में रोजगार और आर्थिक अवसरों का बड़ा संसार खड़ा किया। अब एआई इसी

व्यवस्था को बदल रहा है। जो काम कभी बड़ी टीमों के सहारे पूरे होते थे, उनमें से कई स्वचालित प्रणालियों से संभव हो रहे हैं। इसका असर नौकरियों की संख्या के साथ उन कौशलों पर भी पड़ेगा, जिनकी बाजार की जरूरत है। हालांकि, एआई को रोजगार का शत्रु मान लेना उचित नहीं होगा। हर बड़ा तकनीकी परिवर्तन पुराने कामों को प्रभावित करता है और नए अवसर भी पैदा करता है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि कर्मचारी बदलाव के लिए तैयार हों। सरकार, शिक्षण संस्थानों और कंपनियों को कौशल विकास तथा पुनः प्रशिक्षण पर जोर देना होगा।

त्योहारों के बीच सियासी टकराव, व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?

सौरभ वाष्ण्य
स्तंभकार


देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रैनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए?

एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में परदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेंच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।



इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। चुनाव आयोग के शीर्ष पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और परदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार कराना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता। यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के

सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में

काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किस्तों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिक्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है। इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगों स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए। एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मैग्नीशियम शरीर के लिए जरूरी खनिज है। यह मांसपेशियों, नसों, हड्डियों और दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसके बावजूद हर व्यक्ति को मैग्नीशियम की गोलियां लेने की जरूरत नहीं होती। आजकल थकान, मांसपेशियों में ऐंठन, कमजोरी और नींद की परेशानी दूर करने के लिए कई लोग खुद ही इसके सप्लीमेंट लेना शुरू कर देते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, बिना जरूरत या अधिक मात्रा में इनका



सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। **लक्षणां से कमी की पुष्टि नहीं:** सोशल मीडिया और इंटरनेट पर मैग्नीशियम की कमी को थकान, तनाव, मांसपेशियों में खिंचाव और नींद की समस्या से जोड़कर बताया जाता है। ऐसे में लोग मान लेते हैं कि इन परेशानियों का कारण मैग्नीशियम की कमी ही है। जबकि इन लक्षणों के पीछे कई दूसरे कारण भी हो

सकते हैं। केवल लक्षणों के आधार पर इसकी कमी तय नहीं की जा सकती। डॉक्टर खानपान, बीमारी के इतिहास, दवाओं और जरूरत के अनुसार जांच के आधार पर सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं।

वायरल कंटेंट

सोने से भी महंगा बिकता है इस चिड़िया का लार से बनने वाला विशेष घोंसला

दुनिया में कई ऐसी चिड़ियां हैं, जिनकी खासियत उन्हें दूसरी प्रजातियों से अलग बनाती है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसी चिड़िया के बारे में सुना है, जो तिनकों और सूखी घास के बजाय अपनी लार से घोंसला बनाती है? हैरानी की बात यह है कि इस घोंसले की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये तक कीमत हो सकती है।

स्विफ्टलेट नाम की इस छोटी-सी चिड़िया का घोंसला एशियाई देशों में बेहद कीमती माना जाता है। इसका इस्तेमाल एक खास तरह का सूप बनाने में किया जाता है, जिसे महंगे व्यंजनों में गिना जाता है।

आमतौर पर चिड़ियां घोंसले बनाने के लिए तिनकों, पत्तियों, सूखी घास और छोटी टहनियों का इस्तेमाल करती हैं। स्विफ्टलेट इस मामले में बिल्कुल अलग है। यह अपनी लार से घोंसले की संरचना तैयार करती है। लार हवा के संपर्क में आकर सूखती जाती है और धीरे-धीरे कठोरी जैसी मजबूत आकृति बना लेती है। यह चिड़िया अक्सर गुफाओं, ऊँची चट्टानों और अंधेरी जगहों पर घोंसला बनाती है। इसे तैयार करने में कई दिन लग सकते हैं। घोंसले की यही अनोखी बनावट और खाद्य वार्धक के रूप



अधिक नहीं होती। उसकी गुणवत्ता और बाजार की मांग के अनुसार दाम बदलते रहते हैं। परंपरागत मान्यताओं में बर्ड्स नेस्ट सूप को ल्वाचा की चमक बढ़ाने, सेहत सुधारने और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने से जोड़ा जाता है। इसके घोंसलों में प्रोटीन और कुछ अन्य जैविक घटक पाए जाते हैं। हालांकि, इससे मिलने वाले कई बड़े स्वास्थ्य लाभों के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण अभी सीमित हैं। इसलिए इसे किसी बीमारी का इलाज या सेहत सुधारने का निश्चित उपाय मानना उचित नहीं है।

घोंसले की कीमत उसकी गुणवत्ता, शुद्धता और उपलब्धता पर निर्भर करती है। अच्छी गुणवत्ता वाले घोंसलों का एक किलोग्राम लाखों रुपये तक में बिक सकता है। हालांकि, हर घोंसले की कीमत इतनी

मैग्नीशियम सप्लीमेंट की अधिक मात्रा लेने पर दस्त, मतली और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कुछ योगिक आतों में पानी खींचते हैं, जिससे मल पतला होने लगता है और बार-बार शौच जाना पड़ सकता है। लगातार दस्त होने से शरीर में पानी और जरूरी लवणों की कमी भी हो सकती है। सप्लीमेंट लेने के बाद पेट की परेशानी गंभीर हो या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

किडनी शरीर में मैग्नीशियम की अतिरिक्त मात्रा को बाहर निकालने में मदद करती है। किडनी ठीक से काम नहीं कर रही हो, तो यह खनिज शरीर में जमा हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसका

स्तर खतरनाक रूप से बढ़ने का जोखिम रहता है। गंभीर अधिकता से अल्थाधिक कमजोरी, सुस्ती, रक्तचाप में गिरावट, सांस लेने में परेशानी और दिल की धड़कन अनियमित होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। किडनी के मरीजों को मैग्नीशियम की गोलियां, कुछ अम्लता दूर करने वाली दवाएं या कब्ज की दवाएं लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

खाने से पूरी करें जरूरत: मैग्नीशियम की पूर्ति के लिए कद्दू के बीज, बादाम, मूंगफली, दालें, साबुत अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियां भोजन में शामिल करें। भोजन से मिलने वाला मैग्नीशियम आमतौर पर सुरक्षित होता है।

कज्यूर अपडेट

घर के लिए प्रिंटर खरीदते समय सिर्फ कीमत नहीं, कुछ खास फीचर्स देखना भी जरूरी

घर में बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट, जरूरी दस्तावेज, टिकट और ऑनलाइन फॉर्म का प्रिंट निकालने के लिए बार-बार फोटोकॉपी की दुकान पर जाना समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो सकता है। ऐसे में घर के लिए प्रिंटर खरीदना सुविधाजनक विकल्प है। हालांकि, प्रिंटर खरीदते समय केवल उसकी कीमत देखकर फैसला करना सही नहीं है।

इंक टैंक तकनीक को दें प्राथमिकता: प्रिंटर खरीदते समय सबसे पहले उसकी स्याही भरने की तकनीक पर ध्यान दें। बाजार में कार्ट्रिज वाले प्रिंटर शुरुआती कीमत में सस्ते मिल सकते हैं, लेकिन उनमें स्याही भरने या कार्ट्रिज बदलने का खर्च ज्यादा पड़ सकता है। इसके मुकाबले इंक टैंक प्रिंटर में स्याही की बोतलों से टैंक भरा जा सकता है। अधिक पन्ने छापने वालों के लिए यह किफायती विकल्प साबित हो सकता है। हालांकि, प्रिंट पन्ना खर्च स्याही, छपाई के प्रकार और प्रिंटर के मॉडल पर निर्भर करता है। खरीदने से पहले कंपनी की ओर से बताई गई स्याही की लागत और अनुमानित छपाई क्षमता जरूर जांचें।

घर में प्रिंटर का इस्तेमाल सिर्फ कागज पर छपाई के



लिए नहीं होता। कई बार पहचान पत्र, स्कूल के दस्तावेज या जरूरी कागजों को स्कैन करने और उनकी फोटोकॉपी निकालने की जरूरत भी पड़ती है। ऐसे में ऑल-इन-वन प्रिंटर उपयोगी रहता है। इसमें प्रिंट, स्कैन और फोटोकॉपी की सुविधा एक ही मशीन में मिल जाती है। इससे अलग-अलग उपकरण खरीदने की जरूरत कम होती है और घर

में जगह भी बचती है। खरीदते समय यह भी देखें कि स्कैन की गुणवत्ता और कागज के आकार की सुविधा आपकी जरूरतों के अनुरूप हो। ऐसा प्रिंटर चुनें जिसे मोबाइल, प्लेटफॉर्म या कंप्यूटर से आसानी से जोड़ा जा सके। वाई-फाई की सुविधा होने पर हर बार तार लगाकर प्रिंट निकालने की जरूरत नहीं पड़ती। घर के अलग-अलग सदस्य अपने उपकरणों से प्रिंट भेज सकते हैं। खरीदने से पहले जांच लें कि प्रिंटर में कंपनी का उपयोगी मोबाइल ऐप उपलब्ध है या नहीं। आईफोन इस्तेमाल करने वालों के लिए एप्पल एयरप्रिंट और अन्य उपकरणों के लिए मॉफिरिया जैसी सुविधाओं का समर्थन भी उपयोगी हो सकता है। इससे रोजमर्रा में प्रिंटर चलाना आसान बनता है।

पसान में एसईसीएल की भूमि पर बने भवन को लेकर उपाध्यक्ष ने उठाए सवाल, बोले- हदसा हुआ तो जिम्मेदार कौन?



पसान, अनूपपुर। दोपहर मेट्रो पसान नगर पालिका क्षेत्र में एसईसीएल की भूमि पर निर्मित मंगल भवन की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष निर्माण स्थल से करीब 200 मीटर दूर जमीन धंसने की घटना हुई थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या मंगल भवन के निर्माण से पहले भू-स्थिरता और जमीन की भार-वहन क्षमता की तकनीकी जांच कराई गई थी? नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष द्वारा मंगल भवन के निर्माण को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। हालांकि, आसपास जमीन धंसने की घटना से भवन को खतरा होने की पुष्टि नहीं होती, लेकिन खनन प्रभावित क्षेत्र में ऐसी घटना विशेषज्ञों से जांच कराने की

जरूरत जरूर बढ़ती है। यदि जमीन धंसने का संबंध भूमिगत खनन या पुरानी खदानों से था, तो भवन की नींव और संरचनात्मक सुरक्षा का वैज्ञानिक आकलन महत्वपूर्ण है। सामाजिक आयोजनों के दौरान मंगल भवन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा संबंधी आशंकाओं का समाधान जरूरी है। नगर पालिका, एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि निर्माण से पहले स्थल की तकनीकी जांच किसने की और क्या भवन को सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित घोषित किया गया है। निर्माण की अनुमति, तकनीकी स्वीकृति और सुरक्षा रिपोर्ट सार्वजनिक करने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। उपाध्यक्ष की याचिका से आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते, लेकिन

निर्माण स्थल की सार्वजनिक हो सुरक्षा रिपोर्ट मंगल भवन की सुरक्षा को लेकर उठे सवालों के बीच सबसे अहम मुद्दा जवाबदेही का है। किसी हादसे की स्थिति में जिम्मेदारी तय करने के लिए निर्माण की अनुमति, तकनीकी स्वीकृति, भूमि की स्थिति और अधिकारियों की भूमिका की जांच जरूरी होगी। नगर पालिका परिषद, एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को बताना चाहिए कि निर्माण स्थल की सुरक्षा का आकलन किसने किया था। भवन की संरचनात्मक सुरक्षा रिपोर्ट, भू-स्थिरता संबंधी आकलन और भूमि उपयोग की अनुमति सार्वजनिक किए जाने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। उपाध्यक्ष की न्यायालय में दायर याचिका आरोपों को स्वतः प्रमाणित नहीं करती, लेकिन सुरक्षा संबंधी आशंकाओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। सार्वजनिक भवन का निर्माण तभी सार्थक है, जब वहां आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

जनता की सुरक्षा से जुड़े सवालों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। विकास के साथ सुरक्षा सुनिश्चित करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

200 मीटर दूर भू-धंसाव, तकनीकी जांच कितनी जरूरी?

कोयला खनन वाले क्षेत्रों में जमीन की स्थिरता सार्वजनिक निर्माण के लिए

महत्वपूर्ण होती है। मंगल भवन से लगभग 200 मीटर दूर जमीन धंसने की घटना सामने आने के बाद निर्माण स्थल की भू-स्थिरता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, केवल दूरी के आधार पर भवन को असुरक्षित नहीं माना जा सकता। यह जानना जरूरी है कि भू-धंसाव किन कारणों से हुआ था और क्या उसका संबंध

भूमिगत खनन या पुरानी खदानों से था। विशेषज्ञों की जांच से जमीन की भार-वहन क्षमता, भवन की नींव और संभावित जोखिम का आकलन किया जा सकता है। संबंधित विभागों को जांच के दस्तावेज सामने रखकर स्पष्ट करना चाहिए कि निर्माण के दौरान आवश्यक तकनीकी सावधानियां बरती गई थीं या नहीं।

न्यूज विंडो
धान की रखवाली कर रहे किसान पर सियार का हमला, हाथ-पैर में काटा



तेंदूखेड़ा। वन परिक्षेत्र के जरूआ गांव में खेत में धान की रखवाली कर रहे 55 वर्षीय किसान शंकर सिंह गौड़, पिता साईलाल गौड़, पर जंगली सियार ने हमला कर दिया। हमले में उनके हाथ और पैर में चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के किसान मौके पर पहुंचे और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। किसान के मुताबिक, रात करीब 12 बजे वह खेत में कटी धान की रखवाली करते हुए सो रहे थे, तभी जंगल की ओर से आए सियार ने उन पर हमला कर दिया। उनके चिल्लाने पर सियार जंगल की ओर भाग गया। बुधवार सुबह वन विभाग के डिप्टी रेंजर भगवानदास सेन ने अस्पताल पहुंचकर घायल किसान का हालचाल जाना और तत्काल सहायता के रूप में एक हजार रुपये दिए। उन्होंने नियमानुसार आगे सहायता दिलाने का आश्वासन भी दिया। क्षेत्र में सियार के हमलों की लगातार घटनाओं से ग्रामीणों में भय है।

नशे से दूरी और हेलमेट जरूरी, सोनी हीरो शोरूम की अनूठी पहल



मंडीदीप। सड़क सुरक्षा और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोनी हीरो शोरूम ने अनूठी पहल की। बुधवार को आयोजित अभियान के तहत मंडीदीप से गौहरगंज तक बाइक रैली निकाली गई। इसमें बाइक सवार हेलमेट पहनकर शामिल हुए और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान 50 किलोमीटर के दायरे में 80 हेलमेट निशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम में एसडीओपी औबेदुल्लागंज, मंडीदीप थाना प्रभारी सराठे और सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए वाहन चालकों से हेलमेट पहनने और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। शोरूम संचालक अनुपम सोनी की इस पहल का उद्देश्य लोगों को समझाना था कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने का संदेश दिया गया।

मेट्रो एंकर 11 धार्मिक और विरासत परियोजनाओं को मिलेगा टर्म लोन, यूडीए जुटाएगा 200 करोड़ के टेंपल बॉन्ड

सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन के मंदिर-घाटों पर खर्च होंगे 643 करोड़

उज्जैन। दोपहर मेट्रो सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को गति देने के लिए उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) मंदिरों, घाटों और विरासत से जुड़ी परियोजनाओं के विकास पर 643.39 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके लिए इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में यूडीए और इंडियन ओवरसीज बैंक के बीच टर्म लोन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। विरा ऋण 11 मंदिर, घाट और विरासत परियोजनाओं के आंशिक वित्तपोषण में उपयोग होगा। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 1,124.52 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त यूडीए टेंपल बॉन्ड



के सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से 200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। प्राप्त राशि से तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, मंदिरों और घाटों के बुनियादी ढांचे तथा विरासत स्थलों से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा। ऋण का भुगतान मुख्य रूप से परियोजनाओं से होने

वाली आय से किया जाएगा, जबकि मूलधन और ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी यूडीए की होगी। सिंहस्थ के दौरान करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। ऐसे में इन विकास कार्यों को शहर की व्यवस्थाओं और धार्मिक पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम

40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना विकास परियोजनाओं के लिए टर्म लोन के अलावा उज्जैन विकास प्राधिकरण टेंपल बॉन्ड के सार्वजनिक निर्गम के जरिए 200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। यह राशि परियोजनाओं के वित्तपोषण का अतिरिक्त माध्यम बनेगी। सिंहस्थ 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए मंदिरों, घाटों, विरासत स्थलों और शहरी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। यूडीए की योजना से तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार और उज्जैन में धार्मिक पर्यटन से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

में कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। उज्जैन विकास प्राधिकरण और इंडियन ओवरसीज बैंक के बीच 643.39 करोड़ रुपये के टर्म लोन के लिए समझौता हुआ है। यह राशि सिंहस्थ 2028 से पहले 11 मंदिर, घाट और विरासत परियोजनाओं के आंशिक वित्तपोषण में उपयोग की जाएगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 1,124.52 करोड़ रुपये है। यूडीए का उद्देश्य धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर बनाना है। ऋण की अदायगी मुख्य रूप से संबंधित परियोजनाओं से होने वाली आय के माध्यम से की जाएगी।

नर्मदापुरम जिले को मिले नए एसपी दीपक कुमार शुक्ला, साईं कृष्णा का हुआ तबादला

2014 बैच के आईपीएस संभालेंगे जिले की कमान, अवैध कारोबार पर लगाम और तेज रफ्तार रेत डंपरों पर नियंत्रण होगी बड़ी चुनौती

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो जिले की पुलिस व्यवस्था में बदलाव करते हुए राज्य शासन ने पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस थोटा का तबादला कर दिया है। उनकी जगह 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी दीपक कुमार शुक्ला नर्मदापुरम के नए एसपी होंगे। शासन ने देर रात 12 आईपीएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की, जिसमें नर्मदापुरम के साथ हरदा, बैतूल और पन्ना जिले के एसपी भी बदले गए हैं। दीपक कुमार शुक्ला इससे पहले उज्जैन में 32वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल में सेनानी के पद पर



पदस्थ थे। वे सीहोर जिले के एसपी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा सिंगरौली, बड़वानी, विदिशा, मंडला और छिंदवाड़ा सहित विभिन्न जिलों में अलग-अलग पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। मूल रूप से रीवा जिले के निवासी शुक्ला के अनुभव से जिले की कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। साईं कृष्णा एस थोटा ने 13 सितंबर 2025 को नर्मदापुरम एसपी का पदभार संभाला था। उनका कार्यकाल करीब एक साल 34 दिन रहा। इस दौरान पुलिस ने

जुआ, अवैध शराब, स्मैक, गांजा, सट्टा तथा अवैध रेत उखनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। नांदेनर और ढाना-आमखेड़ी के खदान क्षेत्रों में जुआरियों के अड्डों पर की गई कार्रवाई भी चर्चा में रही। इन कार्रवाइयों के दौरान सामग्री नष्ट करने और नाव जब्त करने जैसी कार्रवाई की गई। दीपक कुमार शुक्ला के सामने जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की चुनौती होगी। इसके अलावा सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाले रेत से भरे डंपरों पर नियंत्रण भी अहम रहेगा। इन वाहनों की रफ्तार से आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। ऐसे में नए एसपी से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्ती और कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने की अपेक्षा रहेगी।

जबलपुर : गोलियां बरसाईं, चाकू से हमला कर छह हजार रुपये लूटे

जबलपुर। दोपहर मेट्रो लाईगंज थाना क्षेत्र में फरार तीन बदमाशों ने चौबीस घंटे के अंदर दूसरी वारदात की। मंगलवार रात रानीताल प्लाइओवर के पास दो भाइयों पर चाकू से हमले के बाद फायरिंग कर दिया। घटना में दो युवक घायल हुए हैं। अन्ना मोहल्ला निवासी अथर अंसारी और उसका भाई अली हुसैन मंगलवार रात मंडी से लौट रहे थे। रानीताल प्लाइओवर के पास सत्या सिंह, सत्यम साहू और वीरू संग्राम ने उन्हें रोककर रुपये मांगे। इनकार करने पर आरोपियों ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पहले आरोपियों ने सोमवार रात गंजीपुरा

के सुपर मार्केट निवासी तरुण मिरगे से साहू मोहल्ला में दो हजार रुपये मांगे थे। मना करने पर उस पर चाकू से हमला किया और फिर फायरिंग कर भाग गए थे। गोली तरुण के पैर में लगने पर चाकू से हमले के बाद फायरिंग कर दिया। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। इधर उन्होंने फिर वारदात कर दी। **सड़क पर गिरकर घायल युवक की मौत** तिलवारा के रमनगरा के पास सड़क पर गिरकर घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मंगलवार रात मौत हो गई। मृतक की पहचान राजजीवी नार के परसवाड़ा निवासी राजीव बर्मन (35) के रूप में हुई। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सात घटकों को मंजूरी, एआई कैमरों से निगरानी और महिला गरती वाहनों से मिलेगी त्वरित मदद

धार। दोपहर मेट्रो
जिले में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा मजबूत करने के लिए निर्भया प्रोजेक्ट के तहत सात प्रमुख घटकों को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर के प्रयासों से स्वीकृत इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाना और महिलाओं को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है।
परियोजना में महिला संचालित इलेक्ट्रिक दोपहिया गरती वाहन, महिला पुलिस त्वरित प्रतिक्रिया वाहन, हाई मास्ट लाइटिंग, पिंग टॉयलेट परिसर एवं प्रतीक्षालय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी कैमरे, महिला-अनुकूल इनडोर खेल परिसर और पिंग पुलिस आउटपोस्ट शामिल हैं। सीसीटीवी कैमरों के रखरखाव के लिए पांच वर्ष का प्रावधान भी प्रस्तावित है। एआई कैमरों से निगरानी व्यवस्था आधुनिक बनाने और

महिला पुलिस वाहनों से शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई में मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं, पिंग टॉयलेट, प्रतीक्षालय और पुलिस आउटपोस्ट महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। परियोजना प्रस्ताव की समीक्षा में पिंग लाइब्रेरी के लिए अधिक सुलभ स्थान चुनने और जागरूकता कार्यक्रमों में बदलाव पर भी विचार किया गया है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन को शामिल करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। संशोधित प्रस्ताव राज्य स्तर की समीक्षा और मुख्य सचिव की स्वीकृति के बाद आगे बढ़ेगा। सांसद सावित्री ठाकुर ने महिला सुरक्षा, सम्मान और

समान अवसरों को महिला सशक्तीकरण की आधारशिला बताते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।
7 घटकों से मजबूत होगी सुरक्षा व्यवस्था
निर्भया प्रोजेक्ट के तहत धार जिले में महिला सुरक्षा के लिए सात सुविधाएं विकसित करने की स्वीकृति दी गई है। इनमें महिला संचालित इलेक्ट्रिक दोपहिया गरती वाहन, महिला पुलिस त्वरित प्रतिक्रिया वाहन, हाई मास्ट लाइटिंग, पिंग टॉयलेट परिसर एवं प्रतीक्षालय, एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे, महिला-अनुकूल इनडोर खेल परिसर और पिंग पुलिस आउटपोस्ट शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी बढ़ाना, जरूरत के समय पुलिस की पहुंच आसान बनाना और महिलाओं के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। सीसीटीवी व्यवस्था के साथ

पांच वर्ष तक रखरखाव का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है।
आत्मरक्षा प्रशिक्षण पर भी विचार
परियोजना के प्रस्ताव की समीक्षा के दौरान कुछ बदलावों पर विचार किया गया है। पिंग लाइब्रेरी के लिए अधिक सुलभ स्थान चुनने तथा जागरूकता एवं क्षमता निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में आवश्यक संशोधन प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही आत्मरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन को जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करने पर भी विचार किया जा रहा है। संशोधित प्रस्ताव को राज्य स्तर पर समीक्षा के बाद मुख्य सचिव की स्वीकृति के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना भी है। इन प्रस्तावित बदलावों पर अंतिम निर्णय के बाद आगे की प्रक्रिया स्पष्ट होगी।

दिवाली पर कर्मचारियों को मिलेगा समय पर वेतन, निगम लेगा 2 करोड़ का ऋण

सागर। दीपावली पर नगर निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम बैंक से 2 करोड़ रुपये का ऋण लेगा। महापौर संगीता सुशील तिवारी ने ऋण लेने की स्वीकृति प्रदान कर दी है।
उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों और उल्लास का पर्व है। निगम के सभी कर्मचारी अपने परिवार के साथ त्योहार हर्षोल्लास से मना सकें और उन्हें वेतन के लिए परेशान न होना पड़े, इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। बैंक से प्राप्त ऋण राशि का भुगतान बाद में नियमानुसार किया जाएगा।

न्यूज विंडो

तीन बत्ती से कटरा मस्जिद तक चला अभियान, 8 वाहन चालकों पर कार्रवाई



सागर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने कटरा बाजार क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान तीन बत्ती से कटरा मस्जिद मार्ग तक सड़क किनारे अवैध रूप से और लंबे समय से खड़े चार पहिया वाहनों को हटवाया गया। मुख्य मार्ग पर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अभियान के दौरान यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले आठ चार पहिया वाहनों के चालान किए गए। साथ ही मौके पर 4 हजार रुपये समन शुल्क वसूला गया। यातायात पुलिस और नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर के प्रमुख बाजारों एवं व्यस्त मार्गों पर अवैध पार्किंग और यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ आगे भी संयुक्त अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संकल्प, विवि में अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली शपथ



सागर। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत प्रशासनिक भवन में सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग की इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नागेश दुबे ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ईमानदारी, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा शास्त्र विभाग के तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं

विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. उमेश के. पाटिल के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. डीके नेमा, उपकुलसचिव सतीश कुमार और सहायक कुलसचिव आशीष तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग दिया।

धार में महिला सुरक्षा का नया कवच बनेगा निर्भया प्रोजेक्ट

महिला पुलिस वाहनों से शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई में मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं, पिंग टॉयलेट, प्रतीक्षालय और पुलिस आउटपोस्ट महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। परियोजना प्रस्ताव की समीक्षा में पिंग लाइब्रेरी के लिए अधिक सुलभ स्थान चुनने और जागरूकता कार्यक्रमों में बदलाव पर भी विचार किया गया है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन को शामिल करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। संशोधित प्रस्ताव राज्य स्तर की समीक्षा और मुख्य सचिव की स्वीकृति के बाद आगे बढ़ेगा। सांसद सावित्री ठाकुर ने महिला सुरक्षा, सम्मान और

समान अवसरों को महिला सशक्तीकरण की आधारशिला बताते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।
7 घटकों से मजबूत होगी सुरक्षा व्यवस्था
निर्भया प्रोजेक्ट के तहत धार जिले में महिला सुरक्षा के लिए सात सुविधाएं विकसित करने की स्वीकृति दी गई है। इनमें महिला संचालित इलेक्ट्रिक दोपहिया गरती वाहन, महिला पुलिस त्वरित प्रतिक्रिया वाहन, हाई मास्ट लाइटिंग, पिंग टॉयलेट परिसर एवं प्रतीक्षालय, एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे, महिला-अनुकूल इनडोर खेल परिसर और पिंग पुलिस आउटपोस्ट शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी बढ़ाना, जरूरत के समय पुलिस की पहुंच आसान बनाना और महिलाओं के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। सीसीटीवी व्यवस्था के साथ

पांच वर्ष तक रखरखाव का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है।
आत्मरक्षा प्रशिक्षण पर भी विचार
परियोजना के प्रस्ताव की समीक्षा के दौरान कुछ बदलावों पर विचार किया गया है। पिंग लाइब्रेरी के लिए अधिक सुलभ स्थान चुनने तथा जागरूकता एवं क्षमता निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में आवश्यक संशोधन प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही आत्मरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन को जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करने पर भी विचार किया जा रहा है। संशोधित प्रस्ताव को राज्य स्तर पर समीक्षा के बाद मुख्य सचिव की स्वीकृति के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना भी है। इन प्रस्तावित बदलावों पर अंतिम निर्णय के बाद आगे की प्रक्रिया स्पष्ट होगी।

दिवाली पर कर्मचारियों को मिलेगा समय पर वेतन, निगम लेगा 2 करोड़ का ऋण

सागर। दीपावली पर नगर निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम बैंक से 2 करोड़ रुपये का ऋण लेगा। महापौर संगीता सुशील तिवारी ने ऋण लेने की स्वीकृति प्रदान कर दी है।
उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों और उल्लास का पर्व है। निगम के सभी कर्मचारी अपने परिवार के साथ त्योहार हर्षोल्लास से मना सकें और उन्हें वेतन के लिए परेशान न होना पड़े, इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। बैंक से प्राप्त ऋण राशि का भुगतान बाद में नियमानुसार किया जाएगा।

आठ आरोपी भागे, 72 हजार रुपए नकद, सात बाइक और मोबाइल फोन जब्त

खेत में सज रही थी जुए की महफिल पुलिस की दबिश में 10 गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो
अवैध जुआ-सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मनावर पुलिस ने ग्राम बालीपुरा क्षेत्र में एक खेत पर दबिश देकर 10 लोगों को गिरफ्तार किया। मौके से 72 हजार रुपए नकद, सात बाइक और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर आठ लोग भाग निकले, जिनके खिलाफ भी जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

थाना प्रभारी राजेश यादव के अनुसार, ग्राम बालीपुरा में सड़क किनारे स्थित जितेंद्र के खेत में जुआ खेलने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में धर्मेन्द्र, कपिल पाटीदार, सुनील, संजय, संतोष, संजय पाटीदार, हनुम, दिलीप, जगदीश और दीपक शामिल हैं। फरार आरोपियों में अजय मालवीय, महेंद्र मालवीय,



10 आरोपी गिरफ्तार, आठ के खिलाफ भी केस

मनावर पुलिस ने ग्राम बालीपुरा स्थित खेत पर जुआ खेलने की सूचना मिलने के बाद दबिश दी। मौके से 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि आठ आरोपी रात के अंधेरे में भागने में सफल रहे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। फरार आरोपियों अजय मालवीय, महेंद्र मालवीय, गजराज पाटीदार, संतोष, मालसिंह रावत, गौरव पाटीदार, विजय देवड़ा और कालू शांमिल हैं। उनकी तलाश के लिए पुलिस

72 हजार नकद और सात बाइक जब्त

जुआ खेलने के मामले में कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 72 हजार रुपए नकद, सात बाइक और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। थाना प्रभारी राजेश यादव के अनुसार, पुलिस को खेत में जुआ संचालित होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनूप बघेल, उपनिरीक्षक रानी राठौर, सहायक उपनिरीक्षक सुखदेव अलावे और प्रधान आरक्षक ललित कुमारवत का योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने हाल ही में थाना प्रचारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने तथा जुआ-सट्टे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

टीम जुटी है। एसपी सचिन शर्मा ने हाल ही में समीक्षा बैठक में रात्रि गश्त बढ़ाने और जुआ-सट्टे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनूप बघेल, रानी राठौर सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

आठ पेज के सुसाइड नोट से खुला आरक्षक की मौत का राज, महिला समेत दो गिरफ्तार

पत्नी को छोड़ने और रुपए देने का बना रहे थे दबाव, रेप केस में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप धार। दोपहर मेट्रो

मनावर थाने में पदस्थ आरक्षक धीरेंद्र चौहान की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने एक महिला और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में आरक्षक की पॉकेट डायरी में लिखा आठ पेज का सुसाइड नोट देखने क्वार्टर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर धीरेंद्र फंदे पर लटक मिले। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।
ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोप : पुलिस के अनुसार, धीरेंद्र की पूर्व में धरमपुरी थाने में पदस्थापना के दौरान कविता ठाकुर से पहचान हुई थी। आरोप है कि बाद में महिला और उसके सहयोगी आरक्षक पर पत्नी को छोड़ने तथा



रुपए देने का दबाव बना रहे थे। साथ ही रेप केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने के आरोप भी सामने आए हैं। इन परिस्थितियों से परेशान होकर आरक्षक द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने सुसाइड नोट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शुरुआती जांच के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में हुई जांच के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

‘दाग अच्छे नहीं हैं’ का संदेश लेकर गांव पहुंची विश्वविद्यालय की टीम

पथरिया जाट में स्वच्छता रैली, नुक्कड़ नाटक और कीटनाशक छिड़काव से किया जागरूक

सागर। दोपहर मेट्रो
डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कला विभाग, स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से ग्राम पथरिया जाट में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छता, सामुदायिक स्वास्थ्य और साफ-सुथरे वातावरण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान स्कूल विद्यार्थियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। वहीं प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने 'दाग अच्छे नहीं हैं' नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर स्वच्छता



का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से व्यक्तिगत साफ-सफाई और सामुदायिक स्वास्थ्य के महत्व को रोचक ढंग से समझाया गया। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कीटनाशक छिड़काव कर हानिकारक कीटों के नियंत्रण और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की पहल की। ग्रामीणों को आसपास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जीवनपर्यंत शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. योगेश कुमार पाल और एनएसएस स्वयंसेविका श्रेया श्रीवास्तव ने दूरदर्शन के माध्यम से अभियान की गतिविधियों और सामाजिक महत्व की जानकारी साझा की।

खंडवा में डेंगू से 21 वर्षीय युवक की मौत, हरसूद में सबसे ज्यादा मरीज

जिले में 14 डेंगू पॉजिटिव मामले, स्वास्थ्य विभाग ने कराई जांच और फॉगिंग; मौत की वजह पर अधिकारियों के अलग-अलग बयान

खंडवा। दोपहर मेट्रो
जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच हरसूद में 21 वर्षीय व्यापारी गौतम जैन की मौत से चिंता बढ़ गई है। इसे इस सीजन में संभाग में डेंगू से मौत का पहला मामला बताया जा रहा है। जिले में अब तक 14 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जिनमें नौ हरसूद, चार खंडवा शहर और एक छैगांव माखन का है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मृतक की निजी चिकित्सक और विभागीय जांच में डेंगू की पुष्टि हुई थी। जिला महामारी विशेषज्ञ योगेश शर्मा ने मौत की संभावित वजह डेंगू



शॉक सिंड्रोम बताई, जबकि हरसूद बीएमओ डॉ. आशीष राज मिश्रा ने मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने की बात कही। जिला मलेरिया अधिकारी करण सिंह भूरिया के मुताबिक, सूचना मिलने पर 23 तरीख को टीम भेजकर जांच, लावां निरीक्षण और फॉगिंग कराई गई। मृतक के परिजनों की भी जांच की गई, जिसमें दादी की रिपोर्ट निगेटिव आई। जिले में मलेरिया के चार मामले भी सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से जमा पानी हटाने और बुखार होने पर तत्काल जांच कराने की अपील की है।

मेट्रो एंकर

सुंदरकांड, भजन संध्या और सामूहिक गरबा उत्सव ने बांधा समां, जल्द गठित होगी भवन निर्माण के लिए संचालन समिति

श्री निमि महाराज जयंती पर भक्ति के रंग में रंगा नेमा समाज

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो
नेमा समाज द्वारा समाज के प्रवर्तक आदिदेव श्री निमि जी महाराज की जयंती पर स्थानीय बालाजी मंदिर, पुलिस लाइन की मंढिया परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल नेमा और वरिष्ठजनों ने दीप प्रज्वलन तथा श्री निमि महाराज एवं भगवान बालाजी के पूजन के साथ किया। इसके बाद नेमा मानस मंडल ने संगीतमय सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ और भजनों की प्रस्तुति दी। महाआरती के बाद समाज के लोगों और मातृशक्ति ने सामूहिक गरबा नृत्य कर उत्सव में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम में समाज के



वरिष्ठजनों, युवाओं और महिलाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। समाज के महासचिव विनीत नेमा ने पिछले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज का स्वयं का भवन बनाने का संकल्प दोहराते हुए सभी से सामूहिक सहयोग की

का संचालन सहसचिव आशीष नेमा 'तुलसी' ने किया। संयोजक मुकेश नेमा 'बालाजी' और श्रीमती दीपा सृजन नेमा ने सहयोग के लिए आभार जताया। अंत में तसमई-खीर और प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।
समाज के भवन निर्माण के लिए बनेगी संचालन समिति : श्री निमि महाराज जयंती समारोह के अवसर पर नेमा समाज ने अपने स्वयं के भवन निर्माण की दिशा में सामूहिक संकल्प लिया। समाज के महासचिव विनीत नेमा ने पिछले कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने भवन निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रिया से समाजजनों को अवगत कराया और सभी से

सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य को गति देने के लिए जल्द ही विषय विशेषज्ञों की संचालन समिति गठित की जाएगी। समाजजनों ने एकजुट होकर इस लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग देने का संकल्प लिया। नेमा समाज के जयंती समारोह में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्साह का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत श्री निमि महाराज और भगवान बालाजी के पूजन से हुई। इसके बाद नेमा मानस मंडल ने संगीतमय सुंदरकांड, हनुमान चालीसा और सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। महाआरती के बाद समाज के पुरुषों, महिलाओं और युवाओं ने सामूहिक गरबा नृत्य किया।

महेन्द्र सिंह धोनी की राह पर चलीं कप्तान स्मृति मंधाना

22 साल की खिलाड़ी को थमा दी ट्रॉफी, जीता दिल

वडोदरा, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे वनडे में आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ ही कप्तान स्मृति मंधाना ने मैदान के बाहर भी अपने अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सीरीज जीतने के बाद उन्होंने ट्रॉफी खुद रखने के बजाय वनडे में पदार्पण करने वाली 22 वर्षीय खिलाड़ी जित्तिमणि कलिता को सौंप दी। स्मृति के इस कदम ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की याद ताजा कर दी, जो अक्सर जीत की ट्रॉफी युवा खिलाड़ियों के हाथों में थमाकर उन्हें खास महसूस कराते थे।

मुकाबले में भारतीय गेंदबाज वैष्णवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 रन देकर पांच विकेट झटकते और जिम्बाब्वे की टीम को 131 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने प्रतीका रावल के नाबाद 59 और शेफाली वर्मा के नाबाद 51 रनों की बदौलत महज 17 ओवर में दो विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। इससे पहले भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में भी जिम्बाब्वे का 3-0 से सफाया किया था। स्मृति मंधाना के नियमित कप्तानी दौर की शुरुआत दोनों सीरीज में भारत के दमदार प्रदर्शन के साथ हुई।



धोनी की परंपरा ने फिर जीता दिल

सीरीज जीतने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में स्मृति मंधाना ट्रॉफी लेने पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने जित्तिमणि कलिता को ट्रॉफी सौंप दी, जिन्होंने इसी वनडे सीरीज में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। कप्तान के इस फैसले ने एक बार फिर उस परंपरा की याद दिलाई, जिसके लिए धोनी खास तौर पर पहचाने जाते रहे हैं। धोनी बड़े टूर्नामेंट या सीरीज जीतने के बाद अक्सर टीम के सबसे युवा खिलाड़ी अथवा हाल में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी को ट्रॉफी थमा देते थे। उनका मानना था कि जीत पूरी टीम की होती है और युवा खिलाड़ियों को भी उस खुशी का बराबर हिस्सा मिलना चाहिए। साल 2007 के टी20 विश्व कप की जीत के बाद यह अंदाज खास तौर पर चर्चा में आया था। बाद में भी उन्होंने कई मौकों पर युवा खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया।



युवा खिलाड़ी को दिया यादगार पल

स्मृति मंधाना का यह कदम भी इसी भावना को दर्शाता है। जित्तिमणि कलिता ने सीरीज के तीन वनडे मुकाबलों में एक विकेट लिया। भले ही उनका प्रदर्शन आंकड़ों के लिहाज से बहुत बड़ा नहीं रहा, लेकिन कप्तान से ट्रॉफी हासिल करना उनके लिए यादगार अनुभव बन गया। स्मृति ने सीरीज में टीम के दबदबे, गेंदबाजी की सटीक लाइन-लेथ और वैष्णवी शर्मा के प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि यास्तिका भाटिया और हरलीन देओल जैसी खिलाड़ियों को मौका देना टीम की रणनीति का हिस्सा था। भारत की इस जीत ने जहां टीम की ताकत दिखाई, वहीं स्मृति के ट्रॉफी सौंपने के अंदाज ने यह संदेश भी दिया कि एक अच्छी कप्तान वहीं है, जो जीत का श्रेय पूरी टीम के साथ बांटना जानती है।

जीत के बाद सरेआम की थी बदतमीजी

मैदान पर गुंडागर्दी करना रऊफ पर पड़ा भारी! लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।



लटक रही है बैन की तलवार!

आईसीसी ने उनकी इस हरकत को खेल की गरिमा के खिलाफ मानते हुए आचार संहिता का उल्लंघन पाया और उनके खाते में 1 डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया। पिछले दो सालों में रऊफ की यह तीसरी हरकत है, जिससे उनके कुल डिमेरिट पॉइंट अब बढ़कर 5 हो चुके हैं। यानी अब उन पर बैन की तलवार भी लटक रही है। रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया।

अब गेंदबाज नहीं, भारतीय बल्लेबाज तय करते हैं मैच का अंजाम

35 गेंदों का शतक भी अब आम, टीम इंडिया की बैटिंग ने बदले टी20 क्रिकेट के नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिषेक शर्मा ने 17 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 30 गेंदों में शतक ठोककर तहलका मचाया था। अब एक महीने बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 35 गेंदों में सेंचुरी जड़कर उन्होंने फिर बता दिया कि भारतीय टी20 बैटिंग किस रफ्तार से आगे बढ़ रही है। कभी ऐसे कारनामे सालों तक याद रखे जाते थे, लेकिन अब भारत के बल्लेबाज एक के बाद एक ऐसे धमाके कर रहे हैं कि पिछला रिकॉर्ड भी जल्द पुराना पड़ने लगता है। यही भारतीय टी20 बैटिंग का नया लेवल है, जहां रिकॉर्ड बनाना ही नहीं, उन्हें पीछे छोड़ना भी आम होता जा रहा है।

वेलिंगटन में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी क्रीज पर उतरी तो न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के पास रणनीति बनाने का वक्त था, लेकिन उसे आजमाने का मौका नहीं मिला। दोनों ने सिर्फ 7.1 ओवरों में 133 रन जोड़ दिए। अभिषेक का बल्ला ऐसा चला कि उनके सामने हर गेंदबाज बेबस नजर आया। अभिषेक अपने ही सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने की तरफ बढ़ रहे थे। उनका व्यक्तिगत रिकॉर्ड 30 गेंदों में शतक का है, जो फुल मेंबर टीमों के बीच सबसे तेज शतकों में शामिल है। इस बार उन्होंने 35 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। दूसरी तरफ वैभव सूर्यवंशी ने भी अपने बेखोफ अंदाज से साफ कर दिया कि उनके लिए उम्र नहीं, गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाने की क्षमता मायने रखती है। दोनों की बल्लेबाजी का असर स्कोरबोर्ड पर ही नहीं, विपक्षी टीम की सोच पर भी दिखा।



मैंने सोचा, ये कैसे कर पाए! श्रेयस अय्यर भी हैरान

इस तूफानी बल्लेबाजी की असली तरसूरी भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर के बयान में नजर आई। अभिषेक और वैभव के आउट होने के बाद जब संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी के लिए आए, तब उन्हें पिच और गेंद की हरकत का अंदाजा हुआ। अय्यर ने मैच के बाद बताया कि जब वह और संजू बल्लेबाजी करने उतरे, तब गेंद सीम कर रही थी। यानी गेंद में ऐसी हरकत थी, जिससे बल्लेबाजों को परेशानी हो सकती थी। अय्यर के मन में सवाल उठा कि जब गेंद ऐसी हरकत कर रही थी, तो अभिषेक और वैभव ने इतनी आसानी से रन कैसे बना लिए? यही इस भारतीय बल्लेबाजी की खासियत है। जिस गेंद पर दूसरे बल्लेबाज संभलकर खेलने की सोचते हैं, भारतीय टी20 विशेषज्ञ उसी पर बाउंड्री खोजने की कोशिश करते हैं। गेंदबाज की ताकत और उसकी योजना को समझने के साथ वे उसे अपनी शर्तों पर खेलने के लिए मजबूर कर देते हैं।

अब गेंदबाज नहीं, बल्लेबाज तय करते हैं मुकाबले की शर्तों। क्रिकेट का पारंपरिक नियम है कि गेंदबाज गेंद डालता है और बल्लेबाज उस पर प्रतिक्रिया देता है। लेकिन अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे बल्लेबाज इस क्रम को उलटने की कोशिश करते हैं। वे शुरुआत से ही गेंदबाज को रक्षात्मक होने पर मजबूर

वैभव से कहा... टंडा पानी मत पीना

न्यूजीलैंड में महिला प्रशंसक की सलाह ने जीता 15 साल के क्रिकेटर का दिल

वेलिंगटन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत रहे हैं। मैदान पर गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने वाले वैभव इस बार अपने खेल नहीं, बल्कि एक महिला प्रशंसक के अनूठे स्नेह को लेकर चर्चा में हैं। न्यूजीलैंड में भारत की जीत के बाद महिला ने वैभव को ठंडे मौसम में सेहत का ध्यान रखने की सलाह दी। उनका यह अंदाज ऐसा था, मानो कोई अपने घर के बच्चे को विदेश में भी संभलकर रहने की हिदायत दे रहा हो। इस बातचीत का वीडियो इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है।

यह प्यारा वाक्या न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की जीत के बाद का बताया जा रहा है। मैच समाप्त होने के बाद वैभव सूर्यवंशी प्रशंसकों से मुलाकात कर रहे थे। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के बलिया की रहने वाली एक महिला प्रशंसक ने युवा बल्लेबाज को अपनेपन के साथ सलाह दी। इंटरनेट पर प्रसारित वीडियो में महिला कहती सुनाई देती हैं, 'वैभव, ठंडा पानी मत पीना। गरम करके ही पीना।' महिला की बातों में एक बड़े का अपने छोटे के प्रति स्नेह और चिंता साफ झलकती है। न्यूजीलैंड के ठंडे मौसम में खेल रहे वैभव को लेकर उनकी यह सहज सलाह लोगों को खूब पसंद आ रही है। महिला ने न तो किसी रिकॉर्ड की बात की और न ही बल्लेबाजी की तारीफ में लंबे शब्द कहे, बल्कि सीधे उनकी सेहत की चिंता जताई।



कम उम्र में बड़ी पहचान, प्रशंसकों के दिलों में खास जगह। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी निडर बल्लेबाजी और आक्रामक अंदाज से क्रिकेट जगत में अलग पहचान बनाई है। उनकी बल्लेबाजी के चर्चे लगातार होते रहते हैं, लेकिन यह घड़ी उनके प्रति प्रशंसकों के लगाव का एक दूसरा पहलू सामने लाती है। क्रिकेट में अक्सर शतक, छक्के और नए कीर्तिमान सुर्खियां बनते हैं, लेकिन कभी-कभी मैदान के बाहर का एक छोटा-सा संवाद भी लोगों के दिलों को छू जाता है।

मैदान पर चौंके-छक्के, मैदान के बाहर अपनापन

वैभव ने भी मूस्कराते हुए महिला की बात सुनी। इस छोट से पल ने दिखाया कि प्रशंसकों के लिए उनके पसंदीदा खिलाड़ी केवल मैदान पर प्रदर्शन करने वाले सितारे नहीं होते, बल्कि उनसे भावनात्मक जुड़ाव भी बन जाता है। महिला की सलाह में प्रशंसक से बढ़कर परिवार के किसी सदस्य जैसा अपनापन दिखाई दिया।

वीडियो सामने आने के बाद क्रिकेट प्रेमी महिला के इस व्यवहार की सराहना कर रहे हैं। कई लोगों को यह पल अपने घर के बड़ों की याद दिला रहा है, जो बाहर रहने वाले बच्चों को मौसम, खानपान और सेहत का ध्यान रखने की हिदायत देते हैं। यही वजह है कि वैभव और महिला प्रशंसक की यह बातचीत लोगों के बीच चर्चा बटोर रही है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

माधुरी दीक्षित के साथ डांस कर खुशी से झूमीं शरवरी वाघ! बोलीं- मेरा सपना सच हो गया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ के लिए हाल ही में एक ऐसा पल आया, जिसे वह लंबे समय तक याद रखना चाहेंगी। अपनी पसंदीदा अदाकारा माधुरी दीक्षित के साथ डांस करने का मौका मिलने पर शरवरी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दोनों अभिनेत्रियों ने शरवरी की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मौल



फिल्म के टाइटल ट्रैक पर किया शानदार डांस

इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में शरवरी वाघ अपनी फिल्म के टाइटल ट्रैक पर शानदार डांस करती नजर आती हैं। इस दौरान उन्होंने पीच कलर का अनारकली सूट पहना हुआ है। कुछ ही देर बाद माधुरी दीक्षित भी वीडियो में दिखाई देती हैं। पिक साड़ी और मैचिंग चूड़ियों में माधुरी का खूबसूरत अंदाज देखने को

मिलता है। दोनों अभिनेत्रियां गाने की धुन पर अपने डांस स्टेप्स का तालमेल बिठाती नजर आती हैं। शरवरी के लिए यह सिर्फ एक डांस वीडियो नहीं, बल्कि अपनी पसंदीदा अभिनेत्री के साथ यादगार पल बिताने का मौका था। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में माधुरी के प्रति अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया।

‘माधुरी मेरी आइडल है’

शरवरी ने लिखा कि राजश्री फिल्मों की डिग्गज अभिनेत्रियों में शामिल माधुरी दीक्षित से इतना प्यार पाकर वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं। उन्होंने माधुरी को अपनी आदर्श अभिनेत्री बताते हुए कहा कि उनके साथ डांस करना किसी सपने के सच होने जैसा है। शरवरी ने माधुरी का आधार जताते हुए उन्हें बेहतरीन बताया। अभिनेत्री की इस पोस्ट को उनके प्रशंसकों से खूब प्यार मिल रहा है। दोनों सितारों को एक साथ डांस करते देखना फिल्म प्रेमियों के लिए भी खास अनुभव बन गया है। शरवरी वाघ की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मौलिया' एक रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन सुरज आर. बड़जात्या ने किया है। फिल्म में शरवरी के साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारत ने 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख मीट्रिक टन (5 एमएमटी) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का आयात पर होने वाले कुल खर्च में बुधवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और भारत को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की

2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य, भारत बनेगा स्वच्छ ऊर्जा का वैश्विक केंद्र

दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार का मानना है कि राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भारत को अधिक स्वच्छ, आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी ऊर्जा अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। मिशन के तहत वर्ष 2030 तक जीवाश्म ईंधन आयात पर होने वाले कुल खर्च में लगभग 1 लाख करोड़ रुपए की बचत का अनुमान है। इस मिशन का उद्देश्य केवल ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाना नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को भी नई गति देना है। सरकार का अनुमान है कि इस पहल से

8 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित होगा और विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, अनुसंधान तथा परियोजना विकास जैसे क्षेत्रों में 6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। फैक्टशीट में कहा गया है कि मिशन के तहत निर्धारित मात्रा में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन और उपयोग होने से हर वर्ष लगभग 5 करोड़ टन (50 एमएमटी) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोका जा सकेगा। इससे भारत के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में उल्लेखनीय मदद मिलेगी।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 2033 तक 44 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली । भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र आर्थिक विकास, निजी निवेश और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाने में लगातार महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसके साथ ही देश के वैज्ञानिक और रणनीतिक उद्देश्यों को भी मजबूती मिल रही है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 44 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी सरकारी फैक्टशीट में कहा गया कि न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने



हस्तांतरित करने के लिए 118 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके परिणामस्वरूप निवेशकों का भरोसा भी बढ़ रहा है। 31 मार्च 2026 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप में कुल निवेश लगभग 618.5 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि भारत की उभरती अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां न केवल देश की क्षमताओं को आगे बढ़ा रही हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए उद्यम आधारित एक मजबूत अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था भी तैयार कर रही हैं। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्पेडेक्स मिशन के जरिए भारत कक्षा में दो अंतरिक्ष यानों की स्वायत्त डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश भी बन गया। वहीं, गगनयान मिशन भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान संबंधी लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है। सितंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) के विकास को मंजूरी दी थी। इसके लिए स्वीकृत 8,240 करोड़ रुपए की राशि में विकास लागत, तीन विकासात्मक उड़ानें, आवश्यक सुविधाएं, कार्यक्रम प्रबंधन और प्रक्षेपण अभियान शामिल हैं।

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री जेनिफर विंगेट इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'शक-ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की सक्सेस पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दोनों के बीच अनबन की खबरें फैलने लगी थीं। अब परिणीति ने इन अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ किया है कि उनके और जेनिफर के बीच कोई विवाद नहीं है। उन्होंने जेनिफर को अपनी पसंदीदा अभिनेत्री बताते हुए वायरल वीडियो को गलत संदर्भ में पेश करने वालों पर भी निशाना साधा।

‘जैनी मेरी फेवरेट थी, है और हमेशा रहेगी’ – परिणीति चोपड़ा ने

परिणीति ने जेनिफर विंगेट को लेकर तोड़ी चुप्पी! बोलीं- ‘वह मेरी फेवरेट थी, है और हमेशा रहेगी’

इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने बताया कि वह और जेनिफर पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर बनाए जा रहे कुछ वीडियो देखकर हंस रही हैं। परिणीति के मुताबिक, कुछ लोग बिना पूरी बात समझे विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। अभिनेत्री ने जेनिफर की तारीफ करते हुए लिखा कि वेब सीरीज 'शक-ट्रस्ट नो वन' में उनका अभिनय देखकर वह उनकी प्रशंसक बन गई हैं। परिणीति ने कहा कि जेनिफर उनकी पसंदीदा थीं, हैं और हमेशा रहेंगी।



उन्होंने यह भी कहा कि विवाद खड़ा करने वालों की बातों ने उन्हें मनोरंजन का एक और मौका दे दिया है। दरअसल, 'शक-ट्रस्ट नो वन' की सक्सेस पार्टी के दौरान केक काटने की रस्म का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में जेनिफर विंगेट पीछे खड़ी दिखाई दे रही थीं। इसके बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा करना शुरू कर दिया कि परिणीति ने जेनिफर को नजरअंदाज किया और उन्हें कार्यक्रम में उचित महत्व नहीं दिया।



न्यूज विंडो

अलवर में नकली सोना बेचकर जायरीनों से ठगी, 10 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले में जयौली थाना पुलिस ने नकली सोने की ईंटें बेचकर जायरीनों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन पिता-पुत्र की जोड़ियां भी शामिल हैं। आरोपी अजमेर दरगाह आने वाले जायरीनों को घर या मकान की नींव की खुदाई में सोने की ईंटें मिलने की झूठी कहानी सुनाकर अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद पीतल की ईंट पर असली सोने का टुकड़ा लगाकर उसे सोना बताकर बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी के सात लाख रुपये नकद, पीतल की चार ईंटें, एक बोलेरो और एक कार बरामद की है। भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के अनुसार, यह गिरोह 'टल्लुबाजी' के जरिए आंध्र प्रदेश और गुजरात के लोगों को निशाना बनाता था। आरोपी सस्ती कीमत पर सोने की ईंटें देने का लालच देकर लोगों से मोटी रकम ऐंठते थे। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

पटना में फिर से दरोगा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, सीएम हाउस घेरने की योजना



पटना। पटना में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी एक बार फिर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने फैसले को वापस लेने और भर्ती प्रक्रिया को लेकर अपनी मांगें उठाने के लिए सड़क पर उतरने का एलान किया है। कई अभ्यर्थी गांधी मैदान पहुंच चुके हैं। इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पटना पुलिस सतर्क है। गांधी मैदान से लेकर जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहे तक सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों के मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की योजना को देखते हुए प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पटना की पुलिस की अलग अलग टीम चप्पे चप्पे पर तैनात है। दरोगा अभ्यर्थी गांधी मैदान से मार्च शुरू कर जेपी गोलंबर की ओर बढ़ने की तैयारी में हैं। इसके बाद डाक बंगला चौराहे के रास्ते मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की योजना है।

कुरुक्षेत्र : हाईकोर्ट ने फांसी का फैसला पलटा, 30 साल कठोर कैद की सजा

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। सेक्टर 13 में डॉ विनिता अरोड़ा की हत्या व डकैती मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने स्थानीय अदालत का फैसला पलट दिया है। अदालत ने चार दोषियों को फांसी की सजा को 30 साल कठोर कारावास में बदला है जबकि पूर्व नौकरानी को बरी कर दिया गया है। वारदात को नौ जनवरी 2023 में अंजाम दिया गया था। जस्टिस विनोद एस भारद्वाज और जस्टिस रविंदर मलिक की पीठ ने सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। स्थानीय अदालत ने पिछले वर्ष 15 दिसंबर को विक्रमजीत उर्फ बिट्टू, सुनील कुमार, मनीष कुमार, विक्रम उर्फ विककी और पूनम को दोषी ठहराया था जबकि पांच दिन बाद 20 दिसंबर को फांसी की सजा सुनाई थी। सेक्टर 13 में डॉ अतुल अरोड़ा की पत्नी अपने घर पर ही कैक बनाने का भी अपने शौक के चलते काम करती थी। कैक का ऑर्डर देने के बहाने उन्होंने वारदात को अंजाम दिया और जाते समय लाखों के जेवरात भी ले गए थे।

स्पेन के ट्रेन हादसे में 68 मौतों के बाद हिंसा

मैड्रिड में परिवहन मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन, पुलिस पर बोतलें-पटाखे फेंके

मैड्रिड। एजेंसी

स्पेन में बुधवार दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में 68 लोगों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सैकड़ों लोगों ने राजधानी मैड्रिड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएते के इस्तीफे की मांग की है। कुछ लोगों ने उन्हें 'मौत का मंत्री' तक कहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। लोगों ने पुलिस पर बोतलें और पटाखे फेंके। वहीं पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल का प्रयोग किया।



रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी

शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी जिसके बाद कंट्रोल सेंटर ने एक ट्रेन को दोबारा चलने की इजाजत दी। आगे पटरी पर खड़ी दूसरी ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई। लेकिन सिग्नल सिस्टम की खराबी ही हादसे की असली वजह थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएते ने भी कहा है कि जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और जिम्मेदारी तय हो सकेगी। हादसे के बाद देश की रेल व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। इस साल स्पेन में हुआ यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है।

रात भर चला रेस्क्यू, लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद राहत और बचाव दल रातभर मलबे में फंसे लोगों की तलाश करते रहे। क्षतिग्रस्त ट्रेनों से शवों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। बचावकर्मि हादसे की जगह पर लगातार काम करते रहे। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने हादसे की जगह के पास से टीवी पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने हादसे पर दुख जताया और मामले की जांच कराने का भरोसा दिया। सांचेज ने कहा कि जांच में अगर किसी की लापरवाही या सुरक्षा में कमी सामने आती है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी और कमियों को दूर किया जाएगा।

हाईकोर्ट: सोरेन की याचिका पर केंद्र को जवाब दाखिल करने समय दिया

राँची। एजेंसी

झारखंड उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों को चुनौती देने और विशेष अदालत में मुकदमे की प्रक्रिया रोकने की मांग करने वाली हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। उच्च न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 19 नवंबर निर्धारित की है। उच्च न्यायालय में बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए



समय की मांग की गई। केंद्र सरकार ने बताया कि वह इस संबंध में अपना विस्तृत जवाब तैयार कर दाखिल करेगी। पीठ ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। हेमंत सोरेन ने अपनी याचिका के माध्यम से पीएमएलए कानून की धारा 44 (1) (2) को चुनौती दी है। चूंकि यह कानून केंद्र सरकार द्वारा निर्मित है, इसलिए पिछली सुनवाई के समय अदालत ने केंद्र सरकार को मामले में प्रतिवादी बनते हुए अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

दिनदहाड़े वारदात: लाहौरी गेट में बंदूक की नोक पर 2.30 करोड़ की लूट

नई दिल्ली। दिल्ली में दिनदहाड़े 2.30 करोड़ रुपये की बड़ी लूट हुई है। यह वारदात लाहौरी गेट इलाके के एक कार्यालय में हुई। चर्च मिशन पुलिस पोस्ट के अधिकार क्षेत्र में चार हथियारबंद बदमाशों ने लूट को अंजाम दिया। बदमाशों ने कार्यालय में घुसकर एक कर्मचारी को बंदूक की नोक पर धमकाया और अलमारी में रखी नकदी बैगों में भर ली। लूटी गई कुल रकम 2.30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। वे ओल्ड दिल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक सामने पहले से खड़ी एक कार में बैठकर भागे। इस मामले में लाहौरी गेट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

अगले महीने राहुल पिथौरागढ़ प्रियंका पौड़ी में करेंगी जनसभा एक नवंबर को तय होगी तिथि

देहरादून। एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी अगले महीने पिथौरागढ़ के धारचूला में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पौड़ी जिले में जनसभा करेंगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि जनसभाओं की तिथि एक नवंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक



में तय होगी। राहुल गांधी की धारचूला में प्रस्तावित जनसभा को सीमांत क्षेत्र के लिहाज से अहम माना जा रहा है। वहीं, प्रियंका गांधी की पौड़ी में प्रस्तावित सभा के जरिये कांग्रेस प्रभुत्व से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। पार्टी नेताओं के मुताबिक दोनों नेताओं की सभाओं में अंकिता हत्याकांड, बेरोजगारी, पलायन, भूमि और मूल निवास सहित प्रदेश से जुड़े अन्य मुद्दे उठाए जा सकते हैं।

जम्मू: डोडा में वन विभाग की नर्सरी में लगी आग जंगल में उठी लपटें



जम्मू। नलवा में घाट रोड के पास वन विभाग की एक नर्सरी में आग लग गई है। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पाने की कोशिशें की जा रही हैं। डोडा के फायर स्टेशन प्रभारी ने बताया कि यह जंगल में लगी आग थी। हमारी टीम आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही है। कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चला है।

मेट्रो एंकर

भीषण गर्मी से अगले 5 महीनों में होगी साढ़े 3 लाख से ज्यादा लोगों की मौत, भारत में भी असर

रिपोर्ट का दावा : विश्वभर में खतरनाक साबित होगा ‘अल नीनो’

नई दिल्ली। एजेंसी

सुपर अल नीनो का खतरा काफी बढ़ता जा रहा है। भारत ही नहीं, बल्कि कई देश इसकी चपेट में हैं। 'क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब' ने अल नीनो के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक ऐसा नक्शा जारी किया है, जो पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। 'क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब' के नक्शे में यह बताया गया है कि प्रशांत महासागर में 'सुपर अल नीनो' के तेज होने पर, गर्मी के कारण कहां सबसे ज्यादा अतिरिक्त मौतें होंगी। वहीं इस नक्शे से सामने आए आंकड़े काफी डराने वाले हैं।



अल-नीनो से कहां होंगी सबसे ज्यादा मौतें?

‘अल नीनो हीट मॉडेलिटी ट्रैकर’ (अल नीनो के कारण गर्मी से होने वाली मौतों का ट्रैकर) नामक इस भयावह नक्शे के मुताबिक, अक्टूबर 2026 से मार्च 2027 के बीच 373,000 से ज्यादा अतिरिक्त लोगों की जान जा सकती है। यह नक्शा यह भी बताता है कि इनमें से एक-तिहाई मौतें नाइजीरिया, भारत और ब्राजील में होने का अनुमान है। इससे साफ तौर पर सामने आता है कि इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ने वाला है।

3.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया पारा

सुपर अल नीनो की यह स्थिति तब बनी है जब मौसम की इस असामान्य घटना ने, जिसे समुद्र की सतह के तापमान से मापा जाता है, पूर्वी-मध्य प्रशांत महासागर के 'नीनो 3.4' क्षेत्र में पानी के तापमान को सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस (6 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा) ऊपर पहुंचा दिया है। यह तापमान 18 से 24 अक्टूबर के सप्ताह के दौरान दर्ज किया गया था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के मुताबिक, नवंबर से जनवरी के बीच यह घटना तापमान को सामान्य 'अल नीनो' की तुलना में छह गुना से भी ज्यादा बढ़ा सकती है।

9 महीनों में 857,400 अतिरिक्त मौतें

सुपर अल नीनो को दिखाता हुआ जो यह नक्शा सामने आया है, वो किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। इसके प्रभाव कितने विनाशकारी होंगे, यह जानने के लिए 1996 से 2005 के औसत हालात की तुलना में, मौजूदा 'अल नीनो' के कारण होने वाली अतिरिक्त मौतों का अनुमान लगाया है। यह रिसर्च दुनियाभर के लगभग 3,700 क्षेत्रों को कवर करता है और इसे हर महीने अपडेट किया जाता है, जिसमें अगले छह महीनों के लिए पूर्वानुमान दिए जाते हैं।

भारत में देखने को मिल सकता है भयावह रूप

अल नीनो की वजह से इन नौ महीनों की इस अवधि के अनुमान में लगाई गई आधी से ज्यादा अतिरिक्त मौतें अगले छह महीनों के भीतर होने की आशंका है और भारत पर इसका भयावह रूप देखने को मिल सकता है। इस भीषण गर्मी का सबसे बुरा असर नाइजीरिया पर पड़ने का अनुमान है, जहां इस दौरान गर्मी से जुड़ी 56,000 से ज्यादा मौतें हो सकती हैं।